आज का विचार

समय, सेहत और संबंध इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है पर जब हम इन्हें खो देते हैं तो इनकी कीमत का अहसास होता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I सोमवार, 23 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 70, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पंजाब भर से बिजली के खंभे हटाए जाएंगे और तारों को भूमिगत किया जाएगा, जल्द शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट: मान

पंजाब में विश्व स्तरीय सड़कों का मजबूत नेटवर्क स्थापित कर रही है आप सरकार: सीएम मान ने 300 किलोमीटर नई सड़कों का शिलान्यास किया

यज्ञांश शर्मा
फाजिल्का

पंजाब भर में विश्व स्तरीय सड़कों का विशाल नेटवर्क स्थापित करते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाई है, जिसके तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज फाजिल्का जिले के जलालाबाद में 300 किलोमीटर नई सड़कों का शिलान्यास रखा और 350 किलोमीटर के नवीनीकरण का काम शुरू करवाया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार की आड़ में बनने वाली घटिया-मानक वाली सड़कों के निर्माण का युग अब खत्म हो चुका है।

आज के सड़क परियोजना को पंजाब भर में बनाए जा रहे 43,000 किलोमीटर के विशाल सड़क नेटवर्क का हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि सख्त जवाबदेही के साथ सड़कें अच्छी बनेंगी, भूमिगत तारों के माध्यम से बिजली के खंभे हटाने की योजनाओं का ऐलान किया और विश्वास जताया कि वोटर फिर फतवा देकर सरकार को वापस लाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछले चार सालों में राज्य सरकार ने पारंपरिक पार्टियों के 70 सालों के कार्यकाल से ज्यादा काम किया है। राज्य सरकार तेज गति से आगे बढ़ रही है और वर्ष 2027 में राज्य इस विकास को अगले स्तर पर ले जाएगा। यह विकास आम आदमी की भलाई को सुनिश्चित बनाने के उद्देश्य से कई लोक-कल्याणकारी नीतियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यह दीवार पर लिखा पढ़ लेना चाहिए कि आम लोगों के सहयोग से आम आदमी पार्टी वर्ष 2027 में दोबारा सरकार

बनाएगी। राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी और विकास-मुखी नीतियों के कारण हम आने वाले विधानसभा चुनावों में फिर 100 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। लोगों द्वारा दिखाया गया भारी समर्थन इस तथ्य का प्रमाण है कि लोग पारंपरिक पार्टियों को फिर सबक सिखाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप सरकार लोगों की भलाई के लिए अथक मेहनत कर रही है जबकि विपक्षी दल सत्ता में रहते हुए कारोबार से हिस्सा मांगते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ये नेता नशों और अपराधियों की सरपरस्ती करके राज्य को बर्बाद करना चाहते हैं जिस कारण लोगों ने उन्हें सत्ता से बेदखल किया था। अब ये सारी पंजाब-विरोधी ताकतें पंजाब को बर्बाद करने के लिए हाथ मिला चुकी हैं और समय आ गया है जब पंजाबियों को भी हाथ मिलाकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। अकाली दल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, अकाली दल के इस ड्रामे का असली नाम 'परिवार बचाओ यात्रा' है। 15 साल राज्य को लूटने के बाद ये किससे पंजाब को बचाने की कोशिश कर रहे हैं? अकालियों ने राज्य को बेरहमी से लूटा है, पंजाबियों के दिलों को ठेस पहुंचाई और माफिया को सरपरस्ती दी है। उन्होंने आगे कहा, लोग अकालियों और बादल परिवार के संदिग्ध किरदार से अच्छी तरह वाकिफ हैं जिस कारण उनकी नौटंकियां अब नहीं चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इन नेताओं ने राज्य में गैंगस्टरों को सरपरस्ती दी और नशा तस्करों को संरक्षण देकर नौजवानों की नसों में नशा भरा। अकाली दल ने हमेशा अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए धर्म का दुरुपयोग किया है लेकिन इस बार लोग इनके झांसे में नहीं आएंगे। अकाली लीडरशिप राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए हवाई किले बना रही है, लेकिन पंजाबी इस पर विश्वास नहीं करेंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कांग्रेसी नेता राज्य में सत्ता संभालने के सपने देख रहे हैं।

आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : नायब सिंह सैनी

देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सांझा दायित्व : मुख्यमंत्री

सिटी दपण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ रही है। दंतेवाड़ा जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि यह लड़ाई अभी जारी है, लेकिन हमारे बहादूर जवान हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार हैं। हरियाणा वीरों की भूमि है, यहां के युवाओं में देश सेवा का जज्बा कूट कूट कर भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के शहीद जवानों के सम्मान में आयोजित शहीदी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लेजरवली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की घोषणा की। उन्होंने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर हरियाणा के सैनिक एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, मेयर राजरानी मल्होत्रा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सीआरपीएफ जवानों के कल्याण स्वरूप सीआरपीएफ के डीआईजी श्री परम शिवम को 38.25 लाख रुपये की राशि का चैक प्रदान किया। गुरुग्राम होम डेवलपर्स द्वारा एकत्रित यह धनराशि सीआरपीएफ के शहीद जवानों के परिवारों के कल्याण में इस्तेमाल की जाएगी। कार्यक्रम में पहुँचने पर एसोसिएशन के प्रधान नरेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सच्चा देशभक्त वही है, जो राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दे। उन्होंने संगठन की सेवा के दौरान छत्तीसगढ़ से जुड़े अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि वे दंतेवाड़ा की सामाजिक व भौगोलिक परिस्थितियों से वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि वहां से आतंकवाद जड़ से खत्म करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है तथा उनके बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र प्रथम का मंत्र आज देश की दिशा तय कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी मजबूत हुआ है। सुरक्षाबलों के मनोबल को बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सैनिकों को पूरा लाभ मिल रहा है । मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उन वीरांगनाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा सहारा खो दिया, लेकिन फिर भी साहस के साथ आगे बढ़ रही हैं। शहीदों का बलिदान हमें सिखाता है कि जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य ही राष्ट्र सेवा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सांझा दायित्व है। हमें अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने हरियाणा को वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि प्रदेश का हर घर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है, और देश की सेनाओं में हर दसवां जवान हरियाणा से है। आज भी अनगिनत युवा सैनिक व अर्धसैनिक बलों में सेवाएं दे रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व एडीजीपी अनिल राव, भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, निगमायुक्त प्रदीप दहिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ऊर्जा आपूर्ति पर प्रधानमंत्री मोदी ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पेट्रोलियम, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, बिजली और उर्वरक आपूर्ति की स्थिति का व्यापक आकलन किया गया। बैठक के दौरान सरकार ने स्पष्ट किया कि देशभर में आवश्यक ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्बाध आपूर्ति, मजबूत लॉजिस्टिक्स और कुशल वितरण प्रणाली को हर हाल में बनाए रखा जाए, ताकि आम जनता पर किसी प्रकार का असर न पड़े।

इस उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित ऊर्जा, पेट्रोलियम और उर्वरक क्षेत्रों से जुड़े कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को ऑल-ऑफ-गवर्नमेंट अप्रोच के तहत आयोजित किया गया, ताकि सभी विभाग समन्वय के साथ काम कर सकें। बैठक के बाद पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के पास फिलहाल कच्चे तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है और सरकार वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

सरकार का मुख्य फोकस दो बातों पर है- पहला, देश में ऊर्जा संसाधनों की निरंतर उपलब्धता बनाए रखना और दूसरा, वैश्विक संकट का असर आम उपभोक्ताओं तक पहुंचने से रोकना। आम जनता को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इस मंशा के साथ सभी कोशिशें की जा रही हैं। इस बैठक को मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनजर अहम माना जा रहा है, जहां भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है। खासतौर पर ईरान के आसपास के समुद्री मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ा है। इसका असर भारत में गैस आपूर्ति पर भी आंशिक रूप से देखने को मिल रहा है।

अर्थव्यवस्था पर राहुल गांधी की समझ पर प्रश्नचिह्न : शेखावत

एजेंसी (हि.स.)
जोधपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कितनी समझ है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान जब केंद्रीय मंत्री से राहुल गांधी के रुपया के डॉलर के मुकाबले कमजोर होने और महंगाई बढने.से जुड़े ट्वीट के विषय में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि जिस तरह की परिस्थितियां हैं। ग्लोबल सिनेरियो है।

अभी जिस तरह का जिओ टबुर्लेंस विश्व में है। जिस तरह की उथल-पुथल वर्तमान परिस्थिति में मिडिल ईस्ट युद्ध से बनी है। सोना की कीमतें लगातार कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि थोड़े से दिन पहले राहुल गांधी सोने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे। अभी रुपया को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी को पहले अपने गिरेबां में झांक करके देखना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में थोक महंगाई की दर दुनिया में सबसे कम है। राहुल गांधी के अदृश्य नेतृत्व में जब सरकार काम करती थी, जब वो कैबिनेट के फैसलों को फाड़कर.फेंका करते थे। संवैधानिक व्यवस्थाओं का अपमान करते थे। उस 10 साल के कालखंड में सात साल महंगाई की दर डबल डिजिट में थी। शेखावत ने कहा कि जब डबल डिजिट वाले दो प्रतिशत की महंगाई पर प्रश्न चिन्ह खड़े करें, तब उनकी बुद्धिमता पर प्रश्नचिह्न जनता खड़ा करेगी। लोगों की समस्याएं सुनने से संबंधित सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मुझमें विश्वास रखते हुए, मुझ पर भरोसा करके इतने सारे लोग अपने छोटे-बड़े विषयों को लेकर चर्चा करते हैं। यदि आप किसी मुकाम पर पहुंचने के बाद धरातल से जुड़े रहें तो लोग आपके साथ जुड़ते हैं। जब लोग आपके साथ में जुड़ते हैं, आपके पास आते हैं, आप उनके किसी विषय का समाधान करके उनको राहत प्रदान कर सकें, इससे उनके दिल को बहुत प्रसन्नता और सुकून मिलता है।

राजपथ' से 'कर्तव्यपथ' तक की यात्रा सेवा और समर्पण का प्रतीक: वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक सेवा में 8931 दिन पूरे होने पर उन्हें बधाई देते हुए उनके कार्यकाल को भारतीय राजनीति का एक स्वर्णिम अध्याय बताया है। सचदेवा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रशासन प्रमुख के रूप में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जो देश के इतिहास में अद्वितीय है।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री की राजनीतिक यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा है कि चार बार गुजरात से विधायक एवं तीन बार उत्तर प्रदेश से लोकसभा सांसद चुने जा कर मोदी ने लोकप्रियता की एक अनूठी मिसाल स्थापित की है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि 24 फरवरी 2002 को पहली बार विधायक चुने से आज 22 मार्च 2026 तक की 8931की जन सेवा यात्रा में नरेन्द्र मोदी ने पहले गुजरात राज्य को फिर 2014 से पूरे देश को अपने अनुकरणीय विजन से एक अद्भुत अनूठे विकास मार्ग से जोड़ा है। वीरेंद्र सचदेवा ने मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रतीकात्मक और वैचारिक बदलावों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने केवल बुनियादी ढांचा

ही नहीं बदला बल्कि देश की सोच भी बदली है।

सचदेवा के अनुसार इस लंबी विकास यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने न केवल भारत को एक स्वावलंबी और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया है बल्कि उनकी वैश्विक छवि के कारण आज भारत पूरी दुनिया को नेतृत्व देने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है जो 'अंत्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को सिद्ध करता है।

पत्रकारिता जगत के स्तंभ श्री सत पॉल शर्मा को दी गई भावभीनी विदाई, शोक सभा में उमड़ी गणमान्य हस्तियां

सिटी दपण संवाददाता
चंडीगढ़

'सिटी दर्पण' और 'जेकेएम वेलफेयर फाउंडेशन' के संस्थापक श्री सत पॉल शर्मा जी की स्मृति में आज सेक्टर 22-सी स्थित श्री सत्यनारायण धर्मशाला में प्रार्थना सभा और ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया। 11 मार्च को उनके निधन के बाद आज आयोजित इस शोक सभा में राजनीति, पत्रकारिता और समाज सेवा जगत की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रार्थना सभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल, भारत के पूर्व सांसद एवं मौजूदा एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सत्यपाल जैन, चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी, भारतीय जनता पार्टी के ओ बी सी मोर्चा के स्टेट प्रेजीडेंट सतपाल वर्मा और शहर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। इनके अलावा इस मौके पर चंडीगढ़ प्रेस क्लब के मौजूदा

अध्यक्ष सौरभ दुग्गल, महासचिव राजेश ढल्ल, पूर्व प्रधान सुखबीर बाजवा और वरिष्ठ पत्रकार अनिल भारद्वाज के साथ साथ सी पी यू जे के वरिष्ठ पदाधिकारी नवीन शर्मा के अलावा न्यू प्रगति ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन बीरबल गुप्ता और प्रधान महेश शर्मा ने शिरकत की। यहां उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने श्री शर्मा की फोटो पर पुष्प अर्पित किए और उनके द्वारा समाज व पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए खास योगदान को याद किया।

सत्यपाल जैन, सौरभ जोशी, सतपाल वर्मा और पवन बंसल ने उन्हें याद करते हुए कहा कि सत पॉल शर्मा जी ने हमेशा निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों को सर्वोपरि रखा। उनके जाने से न केवल मीडिया जगत बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक ऐसा शून्य पैदा हुआ है, जिसे भरना कठिन है।

ज्ञात हो कि श्री सत पॉल शर्मा जी 'जेकेएम वेलफेयर फाउंडेशन' के चेयरमैन होने के साथ-साथ 'सिटी दर्पण' (हिंदी दैनिक), 'अपनी खबर' (पंजाबी दैनिक), 'न्यूज टच' (अंग्रेजी दैनिक) और 'बैंक स्क्वायर' व 'स्कूल पैड' जैसी पत्रिकाओं के संस्थापक थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में हमेशा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता दी और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहे।

इस अवसर पर उनके सुपुत्र कृष्ण लाल, भूपिंदर शर्मा, तजिंदर शर्मा और पुत्री संतोष गौतम सहित पूरा शर्मा परिवार मौजूद रहा। शहर के वरिष्ठ पत्रकारों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और उनके जानने वालों ने परिवार के साथ अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके द्वारा समाज को दी गई निस्वार्थ सेवाएं हमेशा याद रखी जाएंगी।

बजट प्रावधानों से मजबूत होगी हिमाचल की ग्रामीण अर्थव्यवस्थाः मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा, गांवों को विकास की धुरी बनाएगा नया बजट, एक लाख परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में किए गए प्रावधान प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करेंगे और वर्ष 2030 तक आत्मनिर्भर हिमाचल के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस गांवों को विकास की मुख्य धुरी बनाकर किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करना है।

मुख्यमंत्री ने बीते शनिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का 54,928 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। रविवार को शिमला से जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ऐसी ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करना है, जिसमें कृषि और डेयरी को लाभकारी और सम्मानजनक आजीविका के रूप में स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि वास्तविक विकास का आकलन समाज के अंतिम व्यक्ति की समृद्धि से होता है और इसी सोच के साथ बजट में ग्रामीण क्षेत्र के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उनके अनुसार सरकार केवल अनुदान आधारित मॉडल पर निर्भर नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिससे युवा कृषि और पशुपालन से स्थायी आय अर्जित कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। सरकार ने गाय के दूध का खरीद मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध का मूल्य 61 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। इसके साथ ही देसी

नस्ल की गायों को बढ़ावा देने के लिए ए-2 दूध का खरीद मूल्य 100 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पशुपालकों की आय बढ़ेगी और प्रदेश में गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि भी 3 रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जिससे यह राशि सीधे उनके खातों में पहुंचेगी और उन्हें त्वरित आर्थिक लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है, जबकि मक्की का समर्थन मूल्य 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। उन्होंने बताया कि कच्ची हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है और पहली बार अदरक के लिए 30 रुपये प्रति किलोग्राम का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार इन फैसलों से नकदी फसलों की ओर किसानों का रुझान बढ़ेगा और ग्रामीण आय में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समस्याओं और सुझावों को सीधे नीति निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य किसान आयोग के गठन की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि यह आयोग कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सरकार सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मजबूत कर रही है। उन्होंने बताया कि ह्यमुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजनाह्व के तहत एक लाख जरूरतमंद परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और स्थायी आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में फिर अव्वल रही हिमाचल एसडीआरएफ टीम

- मुख्यमंत्री को सौंपी ट्रॉफी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने राष्ट्रीय स्तर की कोलैप्स्ड स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू (सीएसएसआर) प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार पहला स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के बाद आज शिमला के ओक ओवर में आयोजित एक सम्मान समारोह में विजेता टीम ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को प्रतिष्ठित ट्रॉफी भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि छोटा राज्य होने के बावजूद हिमाचल की टीम का राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन करना प्रदेश की तैयारी, अनुशासन और क्षमता को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने टीम के समर्पण और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां युवाओं के लिए भी प्रेरणा का काम करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं बढ़ी हैं और वर्ष 2023 तथा 2025 में भारी नुकसान भी हुआ है। ऐसे कठिन समय में एसडीआरएफ, होम गार्ड्स, अग्निशमन विभाग और सिविल डिफेंस की टीमों ने लोगों की जान बचाने और फंसे हुए स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों को सुरक्षित निकालने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इन सभी विभागों के प्रयासों की सराहना की।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने होम गार्ड वॉलंटियर मैनेजमेंट सिस्टम का भी उद्घाटन किया। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्यभर में होम गार्ड स्वयंसेवकों के बेहतर समन्वय, प्रशिक्षण और प्रबंधन को मजबूत बनाना है। इसके साथ ही फायर सेफ्टी कोड 2026 की भी समीक्षा की गई, जो प्रदेश में सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एसडीआरएफ टीम के सभी सदस्यों को उत्कृष्ट सेवा और आपदा प्रबंधन में योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि सरकार आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में लोगों को तेजी से राहत मिल सके। गौरतलब है कि 9 से 11 मार्च तक गाजियाबाद में एनडीआरएफ की 8वीं बटालियन परिसर में आयोजित राष्ट्रीय सीएसएसआर प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 30 टीमों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश एसडीआरएफ टीम ने अपने पिछले प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ते हुए केवल 41 मिनट में कार्य पूरा कर पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश एसडीआरएफ दूसरे और आंध्र प्रदेश एसडीआरएफ तीसरे स्थान पर रहे।

सुक्खू सरकार का बजट हिमाचल को आर्थिक संकट की ओर ले जाने वाला : संदीपनी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश में बजट पेश होने के बाद अब विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठा रहा है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार के बजट को प्रदेश के लिए आर्थिक रूप से चिंताजनक बताया। संदीपनी भारद्वाज ने रविवार को शिमला में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार बजट का आकार कम किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बजट का आकार लगभग 58,514 करोड़ रुपये था, जिसे घटाकर करीब 54,928 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उनके अनुसार लगभग 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये की कमी से विकास कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर हो चुकी है कि सरकार को कर्मचारियों के वेतन का 3 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक हिस्सा अगले छह महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने इसे वित्तीय संकट का संकेत बताते हुए कहा कि प्रदेश वित्तीय आपातकाल

जैसे हालात से गुजर रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में कांग्रेस सरकार ने करीब 45,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है और प्रदेश पर कुल कर्ज एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 करोड़ रुपये की अदायगी का बोझ है, लेकिन इसे चुकाने के लिए सरकार के पास कोई स्पष्ट योजना नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट में कर्ज और ब्याज की अदायगी को लेकर कोई ठोस रोडमैप क्यों नहीं दिया गया है। संदीपनी भारद्वाज ने सरकार पर जनता को भ्रमित करने का आरोप भी लगाया।

महिला पुलिस थाना की छत से कूदी, घायल

कुल्लू। कुल्लू मुख्यालय स्थित सदर थाना में माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब एक महिला थाना की छत पर चढ़ गई ओर देखते ही देखते छत से कूद गई। घटना रविवार की है जब शहर के साथ लगते खराहल घाटी के गांव चौकी डोभी से पुलिस थाना में एक फोन काल आई और बताया कि यहां पति पत्नी आपस में झगड़ा कर रहे हैं और कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल राम चंद्र अपने अन्य सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ चौकी डोभी गांव पहुंच गए जहां से पुलिस ने झगड़ा कर रहे व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। उस व्यक्ति ने शराब का अत्यधिक सेवन कर रखा था। अभी पुलिस उस व्यक्ति को लेकर थाना में पहुंची ही थी कि उसी समय उस व्यक्ति की पत्नी भी शराब के नशे में थाना पहुंच गई और पुलिस पर पति को छोड़ने का दबाव बनाने लगी। पुलिस ने कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद रिहा करने की बात कही लेकिन महिला थाना की छत पर चढ़ गई और पुलिस को धमकी देते हुए अपने पति को तुरंत रिहा करने की मांग करने लगी। इससे पहले कि पुलिस हरकत में आती महिला छत से कूद गई। महिला भाग्यशाली रही कि वह ऊपरी मंजिल पर ही गिर गई। अगर वह अधिक जंप करती तो यह घटना बड़ा रूप ले सकती थी और महिला की जान भी जा सकती थी।

तीन दोस्तों पर लापता युवक के अपहरण का आरोप, एफआईआर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के सुन्नी थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले चार युवकों के एक साथ लापता होने के मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी का मामला माना जा रहा था, लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि तीन दोस्तों पर ही चौथे युवक के अपहरण और हत्या की नीयत का आरोप लगा है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह मामला मूल रूप से बिहार के रहने वाले एक युवक की गुमशुदगी से जुड़ा है। शिकायतकर्ता चतुरी राम पुत्र स्वर्गीय सरजू राम, निवासी वीपीओ सिंगारफुलगा, तहसील व जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) ने 15 मार्च को लिखित शिकायत दी थी कि उनका बेटा राम प्रवेश राम अपने तीन अन्य साथियों अरुण, विकेश कुमार और महेश कुमार के साथ लापता हो गया है। इस शिकायत के आधार पर पुलिस थाना सुन्नी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर यह संदेह गहराया कि राम प्रवेश राम के साथ लापता हुए उसके तीनों साथी अरुण पुत्र विश्वनाथ निवासी गांव देवी छपरा, डाकघर रामकरण पकरी, जिला मोतिहारी (बिहार), विकेश कुमार पुत्र रघुनी राम निवासी गांव देवी छपरा, डाकघर रामकरण पकरी, जिला मोतिहारी (बिहार) और महेश कुमार निवासी बिहार ने मिलकर ही राम प्रवेश राम का अपहरण किया है और उसकी हत्या करने की नीयत से यह वारदात की गई। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों को गंभीर मानते हुए सुन्नी थाना पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(1), 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है।

बारामूला में तीन मंजिला इमारत में लगी आग, दो दुकानें जलकर खाक

बारामूला। उत्तरी कश्मीर के बारामूला के मुख्य बाजार में रविवार को एक तीन मंजिला इमारत में आग लग गई जिससे भूतल पर दो दुकानें जलकर खाक हो गईं। व्यस्त मुख्य बाजार क्षेत्र में सुबह करीब 9:45 बजे आग लग गई जिससे एक इमारत प्रभावित हुई, जिसमें अन्य प्रतिष्ठानों के अलावा एक खिलौने और उपहार की दुकान भी थी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि घटना में दो दुकानें पूरी तरह नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा कि अग्निशमन सेवा विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया ने आग की लपटों पर काबू पा लिया जिससे उन्हें भीड़भाड़ वाले बाजार में आसन्न संरचनाओं तक फैलने से रोका जा सका। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

आरएस पुरा निवासी बीएसएफ जवान की हिरासत में संदिग्ध मौत के विरोध में जोरदार प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू एनसीबी द्वारा आर.एस. पुरा के दीवानगढ़ निवासी बीएसएफ जवान जसबिंदर सिंह को हिरासत में लेने के बाद हुई संदिग्ध मौत के विरोध में रविवार को क्षेत्र में जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। मृतक जवान के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने चौक पर एकत्र होकर सड़क जाम कर दी और दुकानों का सामान सड़क पर रखकर अपना रोष प्रकट किया। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए इंसाफ की मांग की। उनका आरोप था कि जसबिंदर सिंह को झूठे मामले में फंसाया गया और हिरासत के दौरान उसकी मौत हुई जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समर्थन दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

भारी भूस्खलन के बाद उरी-मुजफ्फराबाद राजमार्ग अवरुद्ध

उरी। रणनीतिक उरी-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-1), जो सीमावर्ती शहर उरी को घाटी के बाकी हिस्सों से हर मौसम में जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है रविवार को भारी भूस्खलन के बाद अवरुद्ध हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा सड़क पर गिर गया जिससे सड़क भारी मलबे के नीचे दब गई और यातायात रुक गया। अधिकारियों ने बताया कि मलबा हटाने के लिए लोगों और मशीनरी को मौके पर भेजा गया है। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालाँकि नाकाबंदी ने बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और प्रशासनिक निरीक्षण पर सार्वजनिक शिकायतों को फिर से जगा दिया। फंसे हुए यात्रियों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर लगातार भूस्खलन खराब योजना और उपेक्षा का परिणाम है। ट्रैफिक जाम में फंसे एक यात्री ने प्रशासन से समस्या का समाधान करने का आग्रह किया। एक अन्य स्थानीय ने राहत व्यक्त की कि यह घटना दिन के उजाले के दौरान हुई अगर रात के समय होती तो लोग हताहत हो सकते थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटना के लिए राजमार्ग चौड़ीकरण से संबंधित व्यापक निर्माण कार्य को जिम्मेदार ठहराया। अधिकारी ने कहा कि पहाड़ी इलाकों में सड़क निर्माण के दौरान भूस्खलन आम बात है। हालांकि हम ऐसी घटनाओं को कम करने और तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जोखिमों को कम करने के लिए यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि धरती की कटाई वैज्ञानिक तरीके से की जाए और किसी भी अवैध गतिविधि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी ऐसी घटनाओं को रोकने और सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए राजमार्ग कार्य की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

जम्मू में हिंदुओं के धर्म परिवर्तन का मामला अत्यंत गंभीर, सरकार अविलंब सच्चाई सामने लाएः शिवसेना

जम्मू। शिवसेना (यूबीटी) की जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीश साहनी ने जानीपुर क्षेत्र में एक ही हिंदू परिवार के चार सदस्यों के धर्म परिवर्तन के हालिया खुलासे पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को बेहद संवेदनशील और गंभीर बताते हुए सरकार व प्रशासन से इस पूरे मामले की सच्चाई अविलंब सामने लाने की मांग की है। रविवार को जारी एक बयान में मनीश साहनी ने तीखे सवाल उठाते हुए कहा कि यह मामला साधारण नहीं प्रतीत होता। उन्होंने कहा, यह अत्यंत संदेहास्पद है कि आखिर किन परिस्थितियों और किन शक्तियों के दबाव में 16 वर्षों तक पहचान को छुपाकर रखा गया? इसके पीछे कौन सी ताकतें काम कर रही थीं, इसकी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे प्रकरण के पीछे कोई संगठित नेटवर्क, आर्थिक प्रलोभन या डराने-धमकाने की सोची-समझी साजिश हो सकती है। शिवसेना ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों को बेनकाब किया जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

एक करोड़ की एलएसडी ड्रग्स तस्करी मामले में एसटीएफ के चार पुलिसकर्मी बर्खास्त

शिमला। हिमाचल प्रदेश में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच राज्य पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ कुल्लू के चार पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन पर एलएसडी तस्करी से जुड़े एक मामले में संलिप्तता के आरोप हैं। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई राज्य में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है। यह मामला शिमला के न्यू शिमला थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां 10 मार्च को पुलिस ने पंजाब के मोगा निवासी संदीप शर्मा और सिरमौर की प्रिया शर्मा के कब्जे से 562 एलएसडी स्ट्रिप्स (करीब 11.570 ग्राम) बरामद की थीं। जांच के दौरान इस मामले के सप्लायर के रूप में केरल के नविएल हैरिसन की पहचान हुई, जिसे 13 मार्च को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि यह एलएसडी खेप कुल्लू जिले में लाई गई थी और उस दौरान एसटीएफ में तैनात चार पुलिसकर्मियों ने इसे रोकने के बावजूद आरोपियों के साथ मिलकर तस्करी को बढ़ावा दिया। पुलिस के मुताबिक यह गंभीर अनुशासनहीनता, आपराधिक साजिश और नैतिक कदाचार का मामला है। इस मामले में शामिल पाए जाने पर हेड कांस्टेबल राजेश कुमार (40), हेड कांस्टेबल समीर कुमार (40), कांस्टेबल नितेश (46) और कांस्टेबल अशोक कुमार (42) को पहले 16 मार्च को निलंबित किया गया था। इसके बाद डिजिटल, तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर उन्हें 19 मार्च को गिरफ्तार कर चार दिन के रिमांड पर भेजा गया था।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

प्रदेश का यह सबसे निराशाजनक बजट, जनता और कर्मचारी दोनों हताश : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा शनिवार को विधानसभा में पेश किए गए वर्ष 2026-27 के बजट पर पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि इस बजट को लेकर न केवल आम जनता में बल्कि कांग्रेस नेताओं के भीतर भी कोई उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने इसे प्रदेश के इतिहास का सबसे निराशाजनक और दिशाहीन बजट बताया। जयराम ठाकुर ने रविवार को एक बयान में कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में विधानसभा में लगातार 29 बजट प्रस्तुत होते देखे हैं, लेकिन इस तरह का नीरस और बिना स्पष्ट दिशा वाला बजट पहले कभी नहीं देखा। उनका कहना है कि इस बजट से प्रदेश की जनता निराश है और लोगों को अब यह पछतावा हो रहा है कि उन्होंने सत्ता ऐसे दल को दी, जिसकी नीतियों

के कारण प्रदेश विकास की रफ्तार से पीछे चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर बनी वर्तमान सरकार लोगों को सुविधाएं देने के बजाय उनसे सुविधाएं छीनने का काम कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद सरकार ने पिछली सरकार के समय बनाए गए 2000 से अधिक संस्थान बंद कर दिए और अब जनहित योजनाओं के बजट तथा कर्मचारियों के वेतन पर भी असर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह रवैया अब ज्यादा समय तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री के व्यवहार पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे बजट भाषण के दौरान उनका रवैया अहंकार से भरा नजर आया। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट तैयार करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों की मेहनत को नजरअंदाज किया गया और पूरा श्रेय खुद लेने की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि बजट में विकास के नाम पर जो घोषणाएं की गई हैं, उनमें से अधिकतर केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से ही संभव होंगी, चाहे वह सड़कों के निर्माण की बात हो या नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि। प्रदेश की वित्तीय स्थिति का जिक्र करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के फैसलों के कारण कर्मचारी वर्ग निराश और हताश है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले सरकारी खजाना ह्लरेवड़ियां बांटनेह्व में खर्च कर दिया गया और अब वित्तीय स्थिति सुधारने के नाम पर अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में देरी जैसे फैसले लिए जा रहे हैं।

पंडोह में अग्निवीर भर्ती शुरू, 2959 युवा अभ्यर्थी लेंगे भाग

मंडी। सेना भर्ती कार्यालय मंडी की वर्ष 2025-26 की अग्निवीर भर्ती रैली आज रविवार से तृतीय इंडिया रिजर्व बटालियन पंडोह के ट्रेनिंग ग्राउंड में प्रारंभ हुई। इस रैली में कुल्लू, मंडी एवं लाहौल-स्पिति जिलों के सीईई उत्तीर्ण 2,959 कैंडिडेट्स हिस्सा लेंगे। 22 मार्च, 2026 को प्रातः 6 बजकर 30 मिनट पर 1.6 किमी दौड़ के फ्लैग ऑफ के साथ भर्ती प्रक्रिया की शुरूआत हुई। दौड़ के दौरान सभी युवा अभ्यर्थियों में बहुत ही जोश और उत्साह देखने को मिला। रैली के प्रथम दिन कुल्लू एवं लाहौल-स्पिति जिलों के 326 युवाओं ने हिस्सा लिया जिसमें कि 239 अभ्यर्थी दौड़ में उत्तीर्ण हुए। ये अभ्यर्थी अब आगे बाकी के शारीरिक मापदंड, दस्तावेज एवं चिकित्सकीय परीक्षण से गुजरेंगे। आने वाले दिनों में मंडी जिले के प्रत्याशी भी इस रैली में अपना सामर्थ्य दिखायेंगे। कर्नल गौतम निशान्त, भर्ती निदेशक, एआरओ, मंडी ने इससे पहले 21 मार्च को रैली की सारी तैयारियों का जायजा लिया और भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि भर्ती पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संचालित की जाएगी।

उपराज्यपाल सिन्हा ने माता वैष्णो देवी पवित्र छड़ी यात्रा को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्री माता वैष्णो देवी जी के प्राचीन मार्ग की 'पवित्र छड़ी' यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, मनोज सिन्हा इस अवसर पर भक्तों के साथ शुभ 'प्रथम पूजा' समारोह में शामिल हुए और उन्होंने नगरोटा में स्थित प्रसिद्ध कोल कंडोली मंदिर में भी पूजा-अर्चना की।

पोस्ट में आगे कहा गया है कि उपराज्यपाल ने सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इस तीर्थयात्रा को धार्मिक आस्था और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, जो बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करती है। तीर्थयात्रा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ माकपा की दिल्ली रैली कल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला जाएंगे सैंकड़ों कार्यकर्ता व आम लोग दिल्ली जा रहे हैं। माकपा के मंडी जिला सचिव कुशाल भारद्वाज ने बताया कि हिमाचल प्रदेश से जो हजारों लोग दिल्ली जा रहे हैं, उनमें मंडी जिला के हर कोने से माकपा कार्यकर्ता व आम लोग दिल्ली रैली में हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज शाम को भी कुछ काफिले दिल्ली कूच कर रहे हैं और अधिकांश लोग कल जाएंगे, जिसकी पूरे जिला में तैयारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की स्मार्ट मीटरिंग योजना, बिजली संशोधन बिल 2025, बिजली के निजीकरण को रोकने, मनरेगा की बहाली, मजदूर विरोधी चार लेबर कोड रद्द करने, प्रदेश का राजस्व घाटा अनुदान बहाल करने की मांग पर मंडी, बल्ह, नाचन, सुंदर नगर, जोगिंदर नगर, सरकाघाट, धर्मपुर, बालीचौकी, सिराज, निहरी व द्रंग से सैंकड़ों लोग दिल्ली जा रहे हैं। माकपा के मंडी जिला सचिव कुशाल भारद्वाज ने कहा कि स्मार्ट मीटरिंग और निजीकरण से कंपनियां तो

मालामाल हो जाएंगी, लेकिन बिजली बोर्ड खत्म हो जाएगा, उपभोक्ता कंगाल हो जायेंगे, आऊट सोर्स कर्मचारियों की नौकरी चली जाएगी, 29 हजार सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन बंद हो जाएगी तथा भविष्य में किसी को बिजली बोर्ड में नौकरी नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार हर राज्य में बिजली के निजीकरण करने और स्मार्ट मीटरिंग को लागू करने के लिए दबाव डाल रही है। नई योजनाओं के माध्यम से केंद्र सरकार अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है, रोजगार की गारंटी खत्म की जा रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सीमित किए जा रहे हैं, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा।

मौसम

भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.4 रही

मंडी में आधी रात को लगे भूकम्प के झटके

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में आधी रात को भूकम्प के झटके लगे हैं। भूकंप के लिहाज से सबसे संवेदनशील मंडी जिला में शनिवार मध्य रात्रि भूकम्प के हल्के झटकों से धरती हिली। भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.4 रही। ये झटके रात 12 बजकर 15 मिनट पर कुछ सेकंड तक रहे। हालांकि तीव्रता कम होने की वजह से इसका ज्यादा असर लोगो ने महसूस नहीं किया।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकम्प का केंद्र मंडी में 31.47 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.97 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकम्प की तीव्रता कम होने की वजह से मंडी जिला व साथ लगते क्षेत्रों में किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी कई बार मंडी जिला व इससे सटे कुल्लू, लाहौल स्पीति और किन्नौर जिलों में कई बार कम तीव्रता के भूकम्प के झटके लग चुके हैं। हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था।

हिमाचल प्रदेश में भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है। पिछले कई सालों से यहां भूकम्प के झटके लग रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश भूकम्प की दृष्टि से अति संवेदनशील व खतरनाक जोन छह में शामिल है। राज्य में कई वर्षों से भूकम्प के हल्के झटके महसूस किए जाते रहे हैं। वर्ष 1905 में कांगड़ा व चम्बा जिलों में आये विनाशकारी भूकंप से 10 हजार से अधिक लोग मारे गए थे। प्रदेश में मार्च महीने में मौसम का बदला हुआ मिजाज देखने को मिल रहा है। मार्च माह की शुरूआत में तीखी धूप खिलने से तापमान में उछाल आने से मई की तरह गर्मी हो गई थी। इसके बाद मध्य मार्च में मौसम बदला और निचले इलाकों में लंबे समय बाद झमाझम वर्षा व पहाड़ी इलाको में भारी वर्षा हुई। इससे दिसम्बर जैसी ठंड का लोगों को सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी पुवार्नुमान के मुताबिक प्रदेश में रविवार को मौसम के साफ बने रहने का अनुमान है। लेकिन पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से सोमवार मौसम में बदलाव आएगा और निचले इलाकों में बारिश व ऊंचे हिस्सों में बर्फबारी होगी। कई जगह अंधड़ चलने व आसमानी बिजली गिरने का यलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

मान सरकार का सार्वभौमिक स्वास्थ्य मॉडल आयुष्मान भारत से बेहतर, बिना शर्त हर परिवार को कवरेज

10 लाख तक का कवर सभी के लिए, चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं, जहां केंद्र की व्यवस्था सीमित है, पंजाब ने सार्वजनिक स्वास्थ्य को नए मानक दिए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जब बढ़ती चिकित्सा लागत देशभर के परिवारों को आर्थिक दबाव में धकेल रही है, ऐसे समय में स्वास्थ्य सेवाओं के वित्तपोषण और वितरण के मॉडल में स्पष्ट अंतर सामने आ रहा है। जहां केंद्र की आयुष्मान भारत योजना 140 करोड़ की आबादी के लिए 9,500 करोड़ का प्रावधान करती है, वहीं पंजाब की मुख्यमंत्री सेहत योजना केवल 3 करोड़ निवासियों के लिए 2,000 करोड़ आवंटित करती है, यानी प्रति व्यक्ति लगभग दस गुना अधिक निवेश।

यह अंतर केवल बजट का नहीं, सोच का है। जहां राष्ट्रीय योजना पात्रता और कवरेज दोनों को 5 लाख तक सीमित करती है, वहीं पंजाब का मॉडल बिना किसी शर्त हर निवासी को 10 लाख तक का कैशलेस उपचार सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को लक्षित लाभ नहीं, बल्कि एक सुनिश्चित अधिकार के रूप में स्थापित किया है, जहां इलाज का आधार सूची में नाम नहीं, बल्कि वास्तविक आवश्यकता है।

अधिकांश भारतीय परिवारों के लिए किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति के साथ दो प्रश्न तुरंत खड़े होते हैं, इलाज कितनी जल्दी शुरू होगा और खर्च कैसे उठाया जाएगा। इन दोनों चिंताओं का समाधान करते हुए पंजाब सरकार ने 2026-27 के बजट में मुख्यमंत्री सेहत योजना के लिए 2,000 करोड़ का प्रावधान किया है, जिसके तहत 65 लाख परिवारों के लगभग 3 करोड़ निवासियों को प्रति परिवार 10 लाख तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवर दिया जा रहा है।

आयुष्मान भारत जैसी लक्षित योजनाओं के विपरीत, पंजाब का यह मॉडल सार्वभौमिक कवरेज पर आधारित है, जिसमें किसी भी प्रकार की पात्रता बाधा नहीं है।

दोनों दृष्टिकोणों का अंतर बुनियादी है। मुख्यमंत्री सेहत योजना यह नहीं पूछती कि कौन पात्र है। पंजाब का हर निवासी इसमें शामिल है, आय की परवाह किए बिना। इसके विपरीत, 2026 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना केवल उन परिवारों तक सीमित है जिन्हें एसईसीसी डाटाबेस में आर्थिक रूप से कमजोर के रूप में चिन्हित किया गया है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा, विशेषकर वे निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवार जो इस डेटाबेस में शामिल नहीं हैं, अब भी इसके दायरे से बाहर है।

कवरेज का दायरा भी इस अंतर को और स्पष्ट करता है। आयुष्मान भारत शुरू से ही प्रति परिवार 5 लाख तक सीमित है और बढ़ती चिकित्सा लागत के बावजूद इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसके मुकाबले मुख्यमंत्री सेहत योजना इस सीमा को दोगुना कर 10 लाख तक ले जाती है और उन परिवारों को भी सुरक्षा देती है जो पहले सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के दायरे से बाहर थे।

वित्तीय प्रतिबद्धता भी इसी प्राथमिकता को दर्शाती है। जहां केंद्र 140 करोड़ लोगों के लिए 9,500 करोड़ खर्च कर रहा है, वहीं पंजाब 3 करोड़ निवासियों के लिए 2,000 करोड़ निवेश कर रहा है, जो प्रति व्यक्ति कहीं अधिक है और व्यापक, सुलभ स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने का स्पष्ट संकेत है।

मुख्यमंत्री सेहत योजना उपचार के दायरे का भी विस्तार करती है। लाभार्थी 2,300 उपचार पैकेजों के तहत हृदय रोग, कैंसर, गुर्दा रोग, अस्थि संबंधी उपचार और दुर्घटना से जुड़ी गंभीर स्थितियों सहित अनेक बीमारियों का कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकते हैं। इसके मुकाबले आयुष्मान भारत लगभग 1,900 पैकेजों तक सीमित है। स्पष्ट है कि यहां इलाज का निर्णय चिकित्सा आवश्यकता से होता है, न कि आर्थिक क्षमता से।

- **न कोई सूची, न कोई बहिष्करण, मुख्यमंत्री सेहत योजना ने आयुष्मान भारत की खामियों को बेपर्दा किया**
- **स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए, न कि केवल चुनिंदा लोगों तक, पंजाब की मुख्यमंत्री सेहत योजना में उपचार का अधिकार पात्रता नहीं, आवश्यकता तय करती है: डॉ. बलबीर सिंह**

योजना तक पहुंच की प्रक्रिया भी एक बड़ा बदलाव दर्शाती है। आयुष्मान भारत में पहले यह जांचना पड़ता है कि परिवार का नाम एसईसीसी सूची में है या नहीं, औ सूची से बाहर परिवारों को पात्रता साबित करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज संबंधी कार्यवाही से गुजरना पड़ता है। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री सेहत योजना इस प्रक्रिया को सरल बनाती है। निवासी सेवा केंद्रों या कॉमन सर्विस सेंटरों पर जाकर, या आधार या वोटर आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, बिना आय या पेशे के प्रमाण के। व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित युवा क्लब सदस्य घर-घर जाकर लोगों को पंजीकरण में सहायता दे रहे हैं और सेहत कार्ड उनके घर तक पहुंचा रहे हैं।

इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मोगा में 98 वर्षीय महिला मुख्तियार कौर को इस योजना के तहत कीमोथेरेपी सहित विशेष उपचार पूरी तरह कैशलेस मिला। इस उम्र में जहां निरंतर चिकित्सा देखभाल अत्यंत आवश्यक होती है, वहां सेहत कार्ड ने यह सुनिश्चित किया कि इलाज बिना किसी देरी और आर्थिक दबाव के शुरू हो सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सेहत योजना इस सिद्धांत पर आधारित है कि स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए, न कि केवल चुनिंदा लोगों तक। प्रति व्यक्ति अधिक निवेश के माध्यम से पंजाब यह सुनिश्चित कर रहा है कि इलाज तक पहुंच पात्रता या आय नहीं, बल्कि आवश्यकता से तय हो।

अब तक 9 लाख से अधिक सेहत कार्ड जारी किए जा चुके हैं और लाभार्थी 900 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों के नेटवर्क में उपचार प्राप्त कर रहे हैं, जिससे राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच लगातार बढ़ रही है। ऐसे देश में जहां एक अस्पताल का बिल ही परिवारों को कर्ज में डाल सकता है, यह अंतर अब केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि वैचारिक है। एक मॉडल पात्रता के आधार पर सेवा को सीमित करता है, जबकि दूसरा इसे हर नागरिक का अधिकार बनाता है।

महिलाओं के लिए मान सरकार का मजबूत कदम, 127.95 करोड़ सीधे खातों में जारी: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महिलाओं की भलाई और सशक्तिकरण हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है, यह बात सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की स्वास्थ्य और भलाई सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक 127.95 करोड़ रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डी. बी. टी.) के माध्यम से सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जारी की गई है, जिससे महिलाओं को बिना किसी परेशानी के सहायता प्राप्त हुई है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस अवधि के दौरान 2.89 लाख से अधिक महिलाओं को इस वित्तीय सहायता पहल का लाभ मिला है। यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि माताओं और नवजात बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच है, उन्होंने कहा। उन्होंने

आगे कहा कि इस पहल से हजारों घरों में खुशी, विश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा हुई है। इस वित्तीय सहायता पहल के तहत पहले बच्चे के लिए महिलाओं को दो किश्तों (3000+2000 रुपये) के माध्यम से कुल 5000 रुपये की राशि डी.बी.टी.के जरिए सीधे उनके खातों में दी जाती है। इसके अलावा, यदि दूसरा बच्चा लड़की हो, तो महिला लाभार्थी को एकमुश्त 6000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है, जो बेटी के जन्म को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा अधिक से अधिक महिलाओं को इस पहल से जोड़ने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 1.32 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1.14 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसी तरह 2025-26 के दौरान कम से कम 1.14 लाख महिलाओं को रजिस्टर करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत 11 फरवरी 2026 तक 1.05 लाख महिलाओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है और लक्ष्य के अनुसार शेष रजिस्ट्रेशन के लिए प्रयास जारी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ पात्र महिलाओं को नियमों के अनुसार किश्तों में भुगतान लगातार किया जा रहा है और बाकी मामलों में प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशि जारी की जाती है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि कोई भी पात्र महिला इस सहायता से वंचित न रहे, डॉ. बलजीत कौर ने कहा। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि पंजाब सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए ऐसी जनकल्याणकारी पहलों को और मजबूत करती रहेगी।

गैंगस्टरां ते वार का 61वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 529 स्थानों पर छापेमारी; 212 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के तहत शुरू किए गए निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 61वें दिन पंजाब पुलिस ने आज प्रदेश भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 529 स्थानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरां ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जो 20 जनवरी, 2026 को पुलिस निदेशक महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शुरू की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं। 61वें दिन, पुलिस टीमों ने 212 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 4 हथियार बरामद किए, जिससे अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 16,311 हो गई है। इसके अलावा 68 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 96 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 16 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपना अभियान युद्ध नशों के खिलाफ को 386वें दिन भी जारी रखते हुए आज 105 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 26.6 किलोग्राम हेरोइन, 35 किलोग्राम भुक्की, 575 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 13,513 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही मात्र 386 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 55,001 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 26 व्यक्तियों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

भगवंत मान सरकार द्वारा पुनर्वास और रोजगार में सहायता देने से नशा विरोधी अभियान के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब नशों के खिलाफ अपनी जंग में निरंतर बदलाव का गवाह बन रहा है क्योंकि भगवंत मान सरकार के 'युद्ध नशों विरुद्ध अभियान' के कार्यान्वयन को अब पुनर्वास और पुनः एकीकरण तक विस्तारित कर दिया गया है। पंजाब सरकार तस्करी के नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों को उपचार और रोजगार के लिए संरचनात्मक सहायता प्रदान करके उन्हें स्थिर और बेहतर जीवन की ओर वापस लाने में मदद कर रही है। जुगराज सिंह (बदला हुआ नाम) इस बदलाव को दर्शाता है। कॉलेज के वर्षों के दौरान वह अपने साथियों के साथ नशे के प्रभाव में आ गया था, जिसने केवल स्वाद के लिए इसे चखा था लेकिन जल्द ही यह स्वाद निर्भरता में बदल गया। आज उसका सारा ध्यान अपनी पढ़ाई पूरी करने और अपने भविष्य पर केंद्रित है। उसने कहा कि मुझे लगता है कि मैं एक बेहतर इंसान बन गया हूं। युद्ध नशों विरुद्ध के साथ दी जाने वाली पुनर्वास सेवाओं और काउंसलिंग के समर्थन से, जुगराज अपनी जिंदगी फिर से शुरू करके शिक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता की ओर अपना ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हुआ है। आनंद कुमार (बदला हुआ नाम) को नशे के सीधे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़े। नशा लेने के कारण उसकी दैनिक दिनचर्या और निर्णय लेने की क्षमता काफी कमजोर हो गई, जिससे उसका छोटा सा व्यवसाय भी समाप्त हो गया। उसने याद किया कि एक समय मुझे महसूस हुआ कि मैंने अपना सब कुछ खो दिया है। पुनर्वास केंद्र में उपचार और निरंतर पारिवारिक सहायता आनंद के जीवन को फिर से शुरू करने में सहायक सिद्ध हुए। पंजाब सरकार द्वारा ठीक हो रहे व्यक्तियों के लिए दिए जा रहे रोजगार के अवसरों ने उसकी वित्तीय स्थिरता के साथ-साथ उसके जीवन का उद्देश्य बहाल करने में मदद की। नशा लेने के कारण बलविंदर सिंह (बदला हुआ नाम) को लंबे समय से व्यक्तिगत घाटे का सामना करना पड़ रहा था।

पीड़ितों को लाया गया समाज की मुख्यधारा में

ये वृत्तांत 'आप' सरकार द्वारा अपनाई गई व्यापक पहुंच को दर्शाते हैं, जहां नशों के खिलाफ लड़ाई केवल कार्यान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा से फिर से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास भी शामिल हैं। युद्ध नशों विरुद्ध, पुनर्वास, काउंसलिंग और रोजगार देने में सहायता प्रदान करना पीड़ितों के लिए दीर्घकालिक स्थिर रिकवरी सुनिश्चित करता है। सभी मामलों में एक समान परिणाम दिखाई दे रहे हैं, नशे की लत को फिर से लगने से रोकने के लिए रोजगार प्रदान करना बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है। स्थिर नौकरी न केवल वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करती है बल्कि अनुशासन, गौरव और सामाजिक स्वीकृति को भी बहाल करती है। आनंद ने कहा कि काम मन को केंद्रित रखता है और यह आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। भगवंत मान सरकार ने युद्ध नशों विरुद्ध अभियान का विस्तार जारी रखा है, ये रिकवरी कहानियाँ एक गहन संरचनात्मक बदलाव को उजागर करती हैं, जहाँ व्यक्तियों को न केवल नशे से मुक्त किया जाता है बल्कि स्थिरता और उद्देश्य के साथ अपने जीवन को फिर से जीने में भी सहायता की जाती है।

पंजाब पुलिस ने बीएसएफ के साथ संयुक्त ऑपरेशन में सीमा पार से चल रहे तस्करी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त ऑपरेशन में पाकिस्तान समर्थित सीमा पार से चल रहे तस्करी मॉड्यूल के तीन मास्टरमाइंड को 24.5 किलो हेरोइन और 21 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां साझा की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव नूरवाल निवासी जगजीत सिंह उर्फ राणा, अमृतसर के गांव औलख खुर्द निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत और अमृतसर के गांव धूपसड़ी निवासी रोशन सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के अलावा बीएसएफ और पुलिस टीमों ने एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन भी जब्त किया है, जिसका उपयोग पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था। इसके अलावा एक एसयूवी महिंद्रा थार सहित दो कारें भी जब्त की गई हैं, जिनका इस्तेमाल नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए किया जाता था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों के पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के साथ सीधे संबंध थे। उन्होंने बताया कि गहन तकनीकी जांच के बाद पुलिस टीमों ने इस सीमा पार नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए एएनटीएफ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गुरप्रीत सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई दो चरणों में की गई थी। पहले चरण में एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन के साथ 12.1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इसके बाद ड्रोन के तकनीकी डेटा, अक्षांश-देशांतर (लैटिट्यूड-लॉन्गिट्यूड) और टावर डंप के विस्तृत अध्ययन सहित फोरेंसिक विश्लेषण के बाद मनप्रीत सिंह के घर से 12.4 किलोग्राम हेरोइन की एक और खेप बरामद की गई, जिससे कुल बरामदगी 24.5 किलोग्राम हो गई।

संपादकीय

मिडिल ईस्ट में सत्ता का नया खेल–अमेरिका कमजोर, ईरान मजबूत?

पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) की राजनीति पिछले दो दशकों में जिस तेजी से बदली है, उसने वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित किया है। कभी अमेरिका के निर्विवाद प्रभाव वाला यह क्षेत्र अब बहुध्रुवीय प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप, कठोर आर्थिक प्रतिबंध और क्षेत्रीय रणनीतियों के बीच ईरान का उभार इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बनकर सामने आया है। आज यह सवाल प्रासंगिक है कि क्या अमेरिका की नीतियों ने अनजाने में ईरान को मजबूत बनने का अवसर दिया है? सन् 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण को इस बदलाव की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। उस समय अमेरिका ने 'लोकतंत्र स्थापना' और 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' के नाम पर सद्दाम हुसैन की सत्ता को समाप्त किया, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम अपेक्षा से बिल्कुल अलग निकले। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद शिया समुदाय का वर्चस्व बढ़ा, जो ईरान के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी साबित हुआ। इस तरह अमेरिका के कदम ने अनजाने में ईरान के प्रभाव को इराक की राजनीति में गहराई तक स्थापित कर दिया। इसी तरह अफगानिस्तान में अमेरिका की लंबी सैन्य मौजूदगी और 2021 में उसकी वापसी ने भी क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित किया। अमेरिका के हटने के बाद वहां एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसे भरने के लिए क्षेत्रीय ताकतें सक्रिय हो गईं। ईरान ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए अफगानिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत किया। यह दशार्ता है कि जहां अमेरिका सैन्य उपस्थिति के जरिए प्रभाव बनाए रखना चाहता था, वहीं ईरान ने लचीली और दीर्घकालिक रणनीति अपनाई। अमेरिका ने ईरान को रोकने के लिए आर्थिक प्रतिबंधों को सबसे प्रभावी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। तेल निर्यात पर प्रतिबंध, बैंकिंग सेक्टर पर नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं–इन सभी उपायों का उद्देश्य ईरान की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना था।

लेकिन ईरान ने इन प्रतिबंधों का सामना करते हुए 'प्रतिरोध अर्थव्यवस्था' की नीति अपनाई। उसने घरेलू उत्पादन बढ़ाने, वैकल्पिक व्यापार मार्ग तलाशने और चीन-रूस जैसे देशों के साथ संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रतिबंधों के बावजूद ईरान पूरी तरह अलग-थलग नहीं पड़ा। ईरान की क्षेत्रीय रणनीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू उसका 'प्रॉक्सी नेटवर्क' है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, यमन में हूती विद्रोही और इराक-सीरिया में सक्रिय शिया मिलिशिया समूह ईरान की इस नीति के प्रमुख उदाहरण हैं। इन संगठनों के माध्यम से ईरान ने बिना सीधे युद्ध में उतरे अपने प्रभाव का विस्तार किया है। यह रणनीति अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुई है, क्योंकि पारंपरिक युद्ध की तुलना में इस प्रकार के अप्रत्यक्ष प्रभाव को नियंत्रित करना अधिक कठिन होता है। इसके विपरीत, अमेरिका की नीति लंबे समय तक प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप और दबाव की राजनीति पर आधारित रही है। हालांकि, इराक और अफगानिस्तान जैसे युद्धों में भारी आर्थिक और मानवीय लागत ने अमेरिका की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। अमेरिकी समाज में भी यह बहस तेज हुई है कि क्या लगातार सैन्य हस्तक्षेप उसके राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में अमेरिका ने प्रत्यक्ष युद्ध की बजाय 'रणनीतिक साझेदारी' और 'डिप्लोमैटिक बैलेंसिंग' पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है। पश्चिम एशिया की बदलती सत्ता-संरचना में खाड़ी देशों की भूमिका भी तेजी से बदल रही है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश अब केवल अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहते। वे चीन और रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित कर रहे हैं। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि क्षेत्र में अब एकध्रुवीय व्यवस्था की जगह बहुध्रुवीय संतुलन स्थापित हो रहा है। इस पूरे समीकरण में इजराइल की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान के बढ़ते प्रभाव को लेकर इजराइल लगातार सतर्क रहा है और उसने कई बार ईरान के खिलाफ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कार्रवाई की है। इससे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है। इजराइल और ईरान के बीच यह छद्म संघर्ष कभी भी बड़े युद्ध का रूप ले सकता है, जो पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। भारत के लिए यह बदलता परिदृश्य कई मायनों में महत्वपूर्ण है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से पूरा होता है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक कार्यरत हैं। ऐसे में क्षेत्रीय अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए चुनौती बन सकती है। भारत ने हमेशा संतुलित कूटनीति अपनाते हुए अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन मौजूदा हालात में यह संतुलन और अधिक जटिल हो गया है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पश्चिम एशिया की राजनीति अब केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें आर्थिक, कूटनीतिक और वैचारिक तत्व भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। चीन की बढ़ती आर्थिक उपस्थिति, रूस की रणनीतिक सक्रियता और क्षेत्रीय शक्तियों की महत्वाकांक्षाएं मिलकर एक नए प्रकार की प्रतिस्पर्धा को जन्म दे रही हैं। अंततः, यह कहा जा सकता है कि अमेरिकी युद्धों और प्रतिबंधों की नीति ने जहां एक ओर अस्थिरता को बढ़ाया, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे देशों को नए अवसर भी प्रदान किए। आज ईरान एक प्रभावशाली क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उभर चुका है, जो न केवल अपने हितों की रक्षा कर रहा है, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति को भी प्रभावित कर रहा है। आने वाले समय में पश्चिम एशिया की स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या प्रमुख शक्तियां टकराव की बजाय सहयोग का रास्ता अपनाती हैं। यदि कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो यह क्षेत्र लंबे समय तक संघर्ष और अनिश्चितता का केंद्र बना रह सकता है। वैश्विक शांति और आर्थिक स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि सभी पक्ष संयम और समझदारी का परिचय दें।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के विचार आज भी जिंदा हैं

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

देश के महान वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सपूतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारी राजगुरु और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं है। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगत सिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगत सिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था।

24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरु छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरु का रुझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरु के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरु ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती। इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केंद्रीय असेम्बली में बम फेंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 08 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फेंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर तरीके से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फेंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फेंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था कि आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकदमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। इसी मामले को बाद में लाहौर षड्यंत्र केस के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई।

फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। मन प्रसन्न बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

धनुः लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। *(सिटी दर्पण)*

मकरः मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। *(सिटी दर्पण)*

मीनः सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। *(सिटी दर्पण)*

होर्मुज संकटः रास्ते कई लेकिन हरेक की अपनी कीमत

अमरेश द्विवेदी (हि.स)

ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सैन्य टकराव ने वैश्विक व्यापार के निर्बाध प्रवाह के लिए जलमार्गों के महत्व को उजागर किया है। आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में समुद्री मार्ग सिर्फ पानी के रास्ते नहीं हैं- ये वैश्विक अर्थव्यवस्था की धमनियां हैं। दुनिया का लगभग 80 प्रतिशत व्यापार (मात्रा के हिसाब से) और 70 प्रतिशत से अधिक (मूल्य के हिसाब से) समुद्री परिवहन पर निर्भर करता है। ऐसे में कुछ संकरे लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग हैं जिन्हें चोक प्वॉइंट्स कहा जाता है और ये पूरी दुनिया की सप्लाई चेन को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

हाल के वर्षों में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और इसके बंद होने की स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ये जलमार्ग कितने संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद हो जाने के बाद जिससे दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति गुजरती है- दुनिया को ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, स्वेज नहर, पनामा नहर और मलक्का जलसंधि जैसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में किसी भी तरह की रुकावट से व्यापार में भारी देरी हो सकती है। इसके चलते शिपिंग कंपनियों को केप ऑफ गुड होप जैसे लंबे रास्तों का चुनाव करना पड़ता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ जाती है।

आईए, जानते हैं दुनिया भर के सामानों के परिवहन के लिए 10 सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों को, जब ऐसे मार्ग बाधित होते हैं तो न केवल ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है बल्कि वैश्विक महंगाई, आपूर्ति संकट और भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ जाते हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य : यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा जलमार्ग है। यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20% यहीं से गुजरता है। यहां से प्रतिदिन 20 से 21 मिलियन बैरल तेल निकलता है। इसकी सबसे संकरी चौड़ाई मात्र 39 किमी है, जिससे यह अत्यंत संवेदनशील बन जाता है। वैश्विक तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के पांचवें हिस्से के लिए एकमात्र समुद्री निकास मार्ग का काम करता है। यह जलसंधि वर्तमान में ईरान और उसके पड़ोसी खाड़ी देशों के बीच तनाव का एक प्रमुख केंद्र बनी हुई है। अगर यह मार्ग बंद हो जाए तो तेल की कीमतों में भारी उछाल आना तय है।

बाब अल-मंडेब : यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और स्वेज नहर के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है। यह मार्ग वैश्विक व्यापार के लगभग 12% हिस्से को संभालता है। सबसे संकरी चौड़ाई 32 किमी है और यहां से प्रतिदिन 4 मिलियन बैरल तेल निकलता है। यमन में चल रहे संघर्ष और हूती विद्रोहियों के हमलों ने इस क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो जहाजों को केप ऑफ गुड होप से लंबा चक्कर लगाना पड़ता है।

स्वेज नहर : सिनाई प्रायद्वीप को बाकी मिस्र से अलग करती है और भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। यहां से प्रति दिन 50 लाख बैरल तेल निकलता है। इसकी सबसे संकरी जगह मात्र 225 मीटर (740 फीट) है। 1869 में खुली स्वेज नहर, एशिया और यूरोप के बीच सफर के लिए एक बहुत जरूरी छोटा रास्ता है। इससे लगभग 8,900 किमी की दूरी कम हो जाती है और अफ्रीका के चारों ओर से घूमकर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साल 2021 में एवरग्रीन मरीन द्वारा चलाया जा रहा एक बड़ा कंटेनर जहाज नहर में फँस गया था, जिससे वैश्विक व्यापार छह दिनों तक ठप हो गया। इस घटना ने दिखाया कि एक छोटे हिस्से भी कितना बड़ा आर्थिक प्रभाव डाल सकते हैं।

तुर्की जलडमरूमध्य : यह इस्तांबुल और डाडार्नेल्स से होकर गुजरता है और काला सागर को भूमध्य सागर से जोड़ता है। अपने सबसे संकरी जगह पर 700 मीटर है और यहां से प्रतिदिन 30-40 लाख बैरल तेल निकलता है। बोस्फोरस और डाडार्नेल्स से मिलकर बना तुर्की जलडमरूमध्य, काला सागर और भूमध्य सागर के बीच एकमात्र समुद्री रास्ता है। यह पूर्वी यूरोप के ज्यादातर हिस्से को बाकी दुनिया से जोड़ता है और तेल और प्राकृतिक गैस के आने-जाने में मदद करता है, जो दुनिया भर के ऊर्जा बाजारों के लिए बहुत जरूरी हैं।

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य : स्पेन-मोरक्को के बीच है जो अटलांटिक महासागर को भूमध्य सागर से जोड़ता है। इसकी चौड़ाई 13 किमी की है और यहां से प्रतिदिन 50-60 लाख बैरल तेल निकलता है। यह जलडमरूमध्य, अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर के बीच एकमात्र प्राकृतिक समुद्री रास्ता है। स्वेज नहर की ओर जाने वाले सभी जहाजों के लिए यह पश्चिमी प्रवेश द्वार है। इस जलडमरूमध्य का एक लंबा इतिहास रहा है, जहाँ यह धरती के सबसे ज्यादा विवादित और घेराबंदी वाले समुद्री रास्तों में से एक रहा है।

डेनिश जलडमरूमध्य : यह डेनमार्क को स्वीडन से अलग करता है और बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोड़ता है। इसकी चौड़ाई 3.7 किमी है और यहां से प्रतिदिन 50 लाख बैरल तेल निकलता है। बाल्टिक बंदरगाहों से दुनिया भर में रूसी तेल भेजने का यह मुख्य रास्ता है। ये संकरे डेनिश जलडमरूमध्य बहुत जरूरी समुद्री रास्ते हैं, जो जहाजों के बड़े पैमाने पर आने-जाने में मदद करते हैं और उत्तरी यूरोप को दुनिया भर के बाजारों से जोड़ते हैं।

मलक्का जलडमरूमध्य : मलेशिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया के बीच मौजूद यह हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर को जोड़ता है। इसकी चौड़ाई 2.8 किमी है और यहां से प्रति दिन 23 मिलियन बैरल तेल निकलता है। धरती के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक, इस जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 40 प्रतिशत व्यापार और चीन का 80 प्रतिशत तेल आयात गुजरता है। यह दुनिया का सबसे व्यस्त चोकप्वॉइंट है, जहां से होर्मुज जलडमरूमध्य की तुलना में अधिक मात्रा में तेल का परिवहन होता है।

ताइवान जलडमरूमध्य : दुनिया के सेमीकंडक्टर इसी महत्वपूर्ण चोकप्वॉइंट से होकर गुजरते हैं। इसकी मुख्य भूमि चीन को ताइवान से अलग करती है और दक्षिण चीन सागर को पूर्वी चीन सागर से जोड़ती है। इसकी चौड़ाई 130 किमी और मूल्य के आधार पर यह सालाना दुनिया के 20 प्रतिशत से अधिक समुद्री व्यापार को संभालता है। इस जलडमरूमध्य में ताइवान और चीन के बीच बढ़ता तनाव देखा गया है, जिसकी पहचान दोनों पक्षों द्वारा बढ़ाए जा रहे सैन्य टकरावों और नौसैनिक अभ्यासों से होती है।

पनामा नहर : यह नहर पनामा से होकर गुजरती है, जो कैरिबियन सागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है। इसकी सबसे संकरी चौड़ाई मात्र 222 मीटर है और यहां से प्रतिदिन 20 से 30 लाख बैरल तेल निकलता है। साल 1914 में खोली गई इस नहर में एक लॉक सिस्टम है, जो जहाजों को समुद्र के अलग-अलग स्तरों के बीच ऊपर-नीचे करता है। यह अमेरिका के कुल कंटेनर ट्रैफि क के 40 प्रतिशत हिस्से के लिए एक रास्ता है। यह ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अहम कड़ी का काम करती है, और अमेरिका से एशिया जाने वाले 95 प्रतिशत से ज्यादा लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के निर्यात को संभालती है।

केप ऑफ गुड होप : दक्षिण अफ्रीका में केप प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी सिरे पर है और यहां से प्रति दिन 90 लाख बैरल तेल निकलता है। स्वेज नहर वाले रास्ते की तुलना में, यह रास्ता एशिया और यूरोप के बीच 5550 से 7400 किमी को जोड़ देता है जो यात्राओं में 10 से 14 दिन लगता है और साथ ही बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से भी बचाता है। हाल के समय में, इस रास्ते को वैश्विक व्यापार के लिए एकमात्र व्यावहारिक गलियारे के तौर पर अहमियत मिली है, जो मध्य पूर्व को बाईपास करता है।

इन सभी जलमार्गों की एक समान विशेषता है-रणनीतिक रूप से इनका संवेदनशील होना। ये संकरे हैं लेकिन इनका महत्व अत्यधिक है। एक छोटी-सी बाधा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर सकती है। जिससे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, वस्तुओं की कमी होती है और आर्थिक अस्थिरता पैदा होती है। आज के भू-राजनीतिक माहौल में जहां संघर्ष और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्थिरता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। दुनिया के देश अब वैकल्पिक मार्गों, ऊर्जा स्त्रोतों और सप्लाई चेन के विविधीकरण पर जोर दे रहे हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

जीवन संघर्ष में सत्य के साथ शक्ति भी जरूरी

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

सत्य प्रत्येक परिस्थिति में उपयोगी होता है, लेकिन जीवन संघर्ष में सत्य के साथ शक्ति भी चाहिए। श्रीराम और रावण के बीच हुआ युद्ध काफी लंबा चला था, लेकिन प्रारंभिक चरण में श्रीराम की विजय सुनिश्चित नहीं थी। इसको लेकर काफी चिंता थी। प्रख्यात कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने 'राम की शक्ति पूजा' में युद्ध का भावुक वर्णन किया है। एक सायं सभी योद्धा शिविर में लौटे। निराला जी लिखते हैं, "आए तब शिविर, सुग्रीव, विभीषण जामवंत, अंगद/हनुमान बैठे रघुकुल मणि श्वेत शिला पर।" निराला जी ने श्रीराम के संशय का उल्लेख किया है, "बोले रघुमन विजय न होगी न समर ये नहीं रहा नर वानर का राक्षस से रण। उतरी पा महाशक्ति रावण से आमंत्रण।" श्रीराम बेचैन हैं। अन्याय जिधर है उधर शक्ति। श्रीराम को आश्चर्य था कि महाशक्ति रावण के पक्ष में क्यों हैं? जामवंत ने कहा, "रघुवर विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण। हे पुरुष सिंह तुम भी यह शक्ति करो धारण। आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर। शक्ति की करो मौलिक कल्पना। करो पूजन।"

रावण ने अपने तप-बल से तमाम शक्तियां अर्जित की थीं। शक्ति उपासना का उत्तर शक्ति उपासना में ही संभव है। राम ने भी शक्ति पूजा का आश्रय लिया। राम आसन जमा कर बैठे। आठवें दिन ध्यान ऊर्ध्व शिखर पर पहुंचा। वे प्रत्येक पुरश्चरण के बाद देवी के चरणों में नीलकमल चढ़ाते थे। अंतिम आराधन में श्रीराम ने जैसे ही नीलकमल के लिए अपना हाथ बढ़ाया, नीलकमल गायब था। श्रीराम चिंतित हो गए। हमारा लाया हुआ नीलकमल कहां गया। उन्होंने तत्काल विकल्प बनाया। माताजी मुझको राजीव नयन कहती थीं। मैं वहीं अपने नयन अर्पित करूंगा। निराला जी कहते हैं ब्रह्मांड कांपा। देवी का उदय हुआ। देवी ने राम का हाथ पकड़ा, "देखा राम ने सामने श्री दुर्गा भास्वर।" निराला ने लिखा है, "होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन कहे महाशक्ति राम के बदन में हुई लीन।"

शक्ति का अर्जन, उपासन पुरश्चरण और जागरण लोक को प्रकाश और आनंद से भर देता है। दुर्गा सप्तशती देवी उपासना के पांचवें अध्याय में देवी को प्रत्येक रूप और भाव में भरा पूरा बताया गया है। यहां देवी लज्जा हैं। विद्या हैं। माता हैं। कण कण में व्याप्त हैं। 11वें अध्याय के अंतिम श्लोक में देवी सबको आश्वासन देती हैं कि जब-जब बाधाएं आएंगी। दानवी शक्तियां कष्ट देंगी। तब तब मैं प्रकट होऊंगी और दानवी शक्तियों का नाश करूंगी। यहां गीता की ध्वनि है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि, "जब-जब धर्म का पराभव होगा तब तब सज्जनों की रक्षा और धर्म के अभ्युदय के लिए मैं आऊंगा।"

देवी माता हैं। माता जननी होती हैं। मां न होती तो हम न होते। भारत के कोने-कोने देवी उपासना के प्रतिष्ठित मंदिर हैं। असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी मंदिर है। कोलकाता में काली जी का और मध्य प्रदेश के दतिया में पीतांबरा का मंदिर है। मिजार्पुर, उत्तर प्रदेश में विंध्यवासिनी, टनकपुर, उत्तराखंड में पूर्णागिरी का मंदिर है। ढाका, बांग्लादेश में ढाकेश्वरी मां का मंदिर है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान में हिंगलाज माता का मंदिर है। इन मंदिरों में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या दर्शनार्थ जाती है।

देवी उपासना की शुरूआत का आदि केंद्र भारत है। प्रकृति की शक्तियों को माता देखने और आदर देने की परंपरा प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं। गाय माता हैं। अवध्य और पूज्य हैं। सरस्वती माता हैं। वन की एक देवी अरण्यानी भी हैं। यजुर्वेद में लक्ष्मी, अम्बिका आदि देवियां हैं। वैदिक ग्रंथों में जल भी माता के रूप में उपास्य हैं। ईसा पूर्व (छठी शताब्दी) यूनानी दार्शनिक थेल्स ने सृष्टि का उद्भव जल से बताया। इसके पहले ऋग्वेद में जल को जल माताएं 'आपः मातरम्' कहा गया है। इडा, सरस्वती और मही नाम की तीन देवियों का उल्लेख ऋग्वेद (5.5.8) में है। यहां रात्रि भी माँ है। ऋग्वेद (10.127) में रात्रि भी उपास्य देवी हैं। कहते हैं, "रात्रि मां के आंचल में पैरों से चलने वाले, पंखों से उड़ने वाले कीट पतिंग और पथिक सुखपूर्वक सोते हैं।" अथर्ववेद में रात्रि देवी को संवत्सर की प्रतिमा कहा गया है। भारतीय देवतंत्र में देवी मां की अनुभूति गहरी है।

ऋग्वेद में वाणी देवी हैं। वे कहती हैं, "मैं रूद्र, वसु, आदित्य और विश्व देवों के रूप में विचरण करती हूं। मैं मित्र वरुण इंद्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मैं सृष्टि के सभी प्रपंचों रूपों भावों में स्थित हूं। मेरी सहायता से ही प्राणी अन्न खाते हैं। देखते हैं। सांस लेते हैं। सुनते हैं। मैं जिसे चाहती हूं उसे शक्तिशाली स्तोता, ऋषि और बुद्धिमान बनाती हूं। मेरा निवास जल में है। वहीं से मैं सारे संसार में विस्तृत होती हूं।"

सही बात है। जल सृष्टि का आदि तत्व है। दिव्यता का आदिकेन्द्र है। देवी वहीं हैं। वे अव्यक्त से व्यक्त होकर सृष्टि बनती हैं और बनाती हैं। ऋग्वेद का यही पूरा सूक्त अथर्ववेद में भी है। अथर्ववेद में अमावस्या और पूर्णिमा भी देवी हैं। देवी दिव्यता हैं। दिव्यता अनंत रूपों आयामों में प्रकट होती है। दिव्यता के रूप नाम अनेक हैं। कहीं दुर्गा हैं तो कहीं वाराही। खड्गधारिणी, शूलधारिणी और वैष्णवी। शाश्वत सत्य एक है। उसका कथन और आस्वशित एक है। हड़प्पा की खोदाई में देवी पूजा के तमाम साक्ष्य मिले थे। पत्थर की मोहरों पर देवी का अंकन अनुमानित किया गया। मौर्य काल के पुरातात्विक साक्ष्यों में देवी अभयदान की मुद्रा में हैं। महाभारत के भीष्म पर्व में अर्जुन की दुर्गा स्तुति का उल्लेख है। विराट पर्व में युधिष्ठिर भी देवी की पूजा करते हैं।

दुर्गा सप्तशती सर्वाधिक लोकप्रिय है। नवरात्रि उत्सवों में इसका पाठ होता है। इसकी कथा मजेदार है। यहाँ एक राजा हैं सुरथ। वे मेधा ऋषि के आश्रम में पहुंचे। समाधि नाम का वैश्य है। उसने परिश्रमपूर्वक धन जुटाया था। घर वालों ने उसे घर से निकाल दिया। वह भी ऋषि आश्रम पहुंचा। सुरथ नाम में रथ गति का प्रतीक है और सु सुंदरता का। लेकिन सुरथ सुगति नहीं पा सके। समाधि का अर्थ मन से मुक्ति होता है। लेकिन यहां समाधि नाम के वैश्य धन की चिंता में पीड़ित और परेशान हैं। मेधा ऋषि हैं। मेधा ऋषि ही बनाती है। मेघा दोनों को देवी रहस्य बताते हैं।

ऋषि के प्रबोधन से सुरथ सुरथी बनते हैं और समाधि नाम के वैश्य समाधि का वास्तविक अर्थ जान जाते हैं। सप्तशती के पाठ की परंपरा है। पाठ अध्ययन नहीं होता। अध्ययन में बुद्धि साझी होती है। सोच-विचार भी चलता है। लेकिन पाठ में हृदय लगता है। तब शब्द अपना मूल अर्थ खो देते हैं। शब्दों के गर्भ में छिपी अक्षर शक्ति प्रकट होती है। यही बात देवी मंदिरों के दर्शन में भी है। देव प्रतीति प्राचीन परंपरा है। इस अनुभूति को दुर्गा, लक्ष्मी, वाराही, काली सहित कोई नाम दीजिए। नाम से फर्क नहीं पड़ता। सर्वत्र एक ही ऊर्जा है। भीतर, बाहर। ऊपर, नीचे, आगे, पीछे।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में हरियाणा निभा रहा अग्रणी भूमिका : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में विकसित बादशाहपुर महारैली तथा मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह को किया संबोधित

सिटी दपण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत यह विजन 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है, जिसे जमीन पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बादशाहपुर क्षेत्र इस विकास यात्रा का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां किए गए वादों को योजनाओं और कार्यों के माध्यम से सफलतापूर्वक साकार किया गया है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव काकरौला में आयोजित विकसित बादशाहपुर महारैली एवं मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आबंटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने की, जबकि हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के समन्वय से यह आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 2709 लाभार्थियों को उनके आवास की चाबियां सौंपी। मुख्यमंत्री के गुरुग्राम आगमन पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो क्षेत्र कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते थे, आज वही विकास की नई मिसाल बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने केवल वादे नहीं किए, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त साधन माना है। बादशाहपुर हलके के विकास को गति देने के लिए बीते साढ़े 11 वर्षों में कुल 81 सीएम अनाउंसमेंट की गईं, जिनमें से 60 पूरी हो चुकी हैं और 8 पर कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बादशाहपुर क्षेत्र में 15,166 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं लागू की गईं। इसके विपरीत, पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्षों के शासनकाल में यहां केवल 967 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि यह अंतर वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता और विकास के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और प्रत्येक वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर ठोस और प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों के पावन अवसर पर गुरुग्राम में 2,709 गरीब परिवारों को उनके सपनों का घर सौंपना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह एक दिव्य संयोग भी है, जो सेवा और समर्पण की भावना को और अधिक दृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता के नवरात्र शक्ति, ऊर्जा और समृद्धि के प्रतीक हैं, और इसी भावना के साथ हरियाणा सरकार हर जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारकर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

बजट 2026-27 के जनहितैषी प्रावधानों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 23,154 नए मकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश के 16 शहरों में 30 वर्ग गज के 15,251 प्लॉट पात्र परिवारों को आवंटित किए जाएंगे, जिससे हजारों परिवारों का अपने घर का सपना साकार होगा।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश हरियाणा वर्ष 2047 तक औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र–विशेषकर गुरुग्राम और मानेसर–अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और निवेश-अनुकूल वातावरण के कारण हरियाणा उद्योग, व्यापार और रोजगार सृजन के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में भी चहुंमुखी और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। वर्ष 2024 के बाद से नगर निगम गुरुग्राम द्वारा क्षेत्र में लगभग 236 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें सड़कों का सुदृढ़ीकरण, सीवरेज, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। राव नरबीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने औद्योगिक नीति में व्यापक और प्रभावी सुधार किए हैं, जिससे उद्योगों को प्रोत्साहन मिला है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से उद्योगपतियों और व्यापारियों को अनावश्यक कागजी कार्यवाही से राहत मिलेगी तथा प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनेंगी।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में ट्रिपल इंजन सरकार के प्रभावी समन्वय के चलते विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र, प्रदेश और स्थानीय निकायों के तालमेल से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में स्थित गांव खोह, कासन और सहरावन में लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से 200 एकड़ भूमि पर नमो वन विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल हरित क्षेत्र को बढ़ाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को बेहतर पर्यावरणीय सुविधाएं और रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

सैलजा ने किया चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण

कहा- भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को बांट रही है

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित बिश्नोई भवन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण किया। सांसद कुमारी सैलजा ने चौधरी भजनलाल को एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ बताते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल सामाजिक एकता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे, यही कारण है कि आज भी सभी वर्गों के लोग उन्हें सम्मानपूर्वक याद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देती रहेगी। इस अवसर पर बिश्नोई सभा द्वारा सांसद का सम्मान भी किया गया।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने पंचकूला नगर निगम की वार्डबंदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी हर स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से खिलवाड़ कर रही है, जो उनकी राजनीतिक कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि पंचकूला की जनता कांग्रेस पार्टी को नगर निगम चुनाव में विजय दिलाएगी। सांसद ने प्रदेश में बढ़ती गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी को सरकार की विफलता बताया। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहे, जिससे जनता परेशान है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है, जबकि विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश में न तो वास्तविक रूप से स्मार्ट सिटी विकसित हुए हैं और न ही शहरों में मूलभूत सुविधाएं, जैसे स्वच्छ पेयजल, सुनिश्चित हो पाए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि पंचकूला जैसे आधुनिक शहर में भी आज कचरे के ढेर लगे हुए हैं और विकास की गति ठप हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों को उन्होंने कई बार लोकसभा में उठाया है, लेकिन सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस मौके पर पंचकूला के विधायक चंद्र मोहन बिश्नोई, विधायक अकरम खान, कालका के पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी, रामकिशन गुर्जर, प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सुधा भारद्वाज सहित बिश्नोई सभा के पदाधिकारी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरियाणा को दुग्ध उत्पादन में बेहतरीन स्थान पर लेकर आएं पशुपालक: नवीन जिन्दल

सिटी दपण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में नवीन अवसर, स्वस्थ पशुधन-समृद्ध किसान कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग के सभागार में शनिवार को किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान एवं पशुपालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बिगनैनो वेंचर एनिमल डायग्नोस्टिक रिसर्च कंपनी की फाउंडर कोमल कालांत्री ने पशुओं की गर्भ जांच के लिए तैयार की गई प्रेगा किट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस किट के माध्यम से पशुओं के रक्त की एक बूंद इसमें डालकर कुछ ही मिनट में गर्भावस्था का नेगेटिव और पॉजिटिव रिजल्ट चेक किया जा सकता है। प्रेगनेंसी मैनुअल तरीके से चेक करने में 70 दिन का समय लगता है, जबकि इस किट के माध्यम से 28 दिन में पशु की प्रेगनेंसी चेक की जा सकती है । जिले से पहुंचे पशुपालकों में यह किट भी निःशुल्क वितरित की गई। सांसद नवीन जिन्दल ने गर्भावस्था किट के प्रयोग का डेमो भी

पशुपालकों को दिखाया। साथ ही जांच का रिजल्ट पॉजिटिव आने पर गाय के मालिक को सांसद नवीन जिन्दल ने बधाई भी दी।

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि पशुपालकों की तरह उन्हें भी बचपन से पशुओं के प्रति विशेष लगाव है। उनका प्रयास है कि पशुपालक विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करके दुग्ध उत्पादन से मुनाफा कमाएं। लाइव स्टॉक हेल्थ एंड प्रेगनेंसी डिटेक्शन ट्रेनिंग कैंप का उद्देश्य अभी यही है कि किसानों को पशुओं के गभार्धान से संबंधित तकनीक की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि गुजरात जैसे दुग्ध उत्पादन में समृद्ध प्रदेशों से प्रेरणा लेकर यहां के पशुपालक भी हरियाणा को दुग्ध उत्पादन में बेहतरीन स्थान पर लेकर आए। सांसद नवीन जिन्दल ने पशुपालकों की समस्याओं को भी सुना।

सांसद जिन्दल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का प्रयास है कि ग्राम स्तर पर पशुओं के लिए अच्छे चिकित्सालय स्थापित हों। इसके लिए सरकार ने विभिन्न योजनाएं चलाई हुई हैं। इस दौरान पशुपालकों ने बताया कि उनकी मांग है कि दूध का भी फसलों की तरह एमएसपी तय हो तथा उन्हें सेक्स सोर्टिड सीमन उपलब्ध कराया जाए । सांसद ने अपने कार्यालय की टीम को निर्देश देते हुए कहा कि पशुपालकों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को लिखित रूप में संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाए ताकि इनका समाधान हो सके ।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से डॉ. मनीष मिश्रा ने बताया कि फरवरी में पशुधन प्रदर्शनी में सांसद नवीन जिन्दल ने पशुधन को समृद्ध बनाने की घोषणा की थी ताकि पशुपालन से जुड़े लोगों की आय बढ़ाई जा सके। प्रशिक्षकों के माध्यम से इस किट का पशुपालकों को प्रशिक्षण भी दिया गया ताकि पशुओं के ड्राई पीरियड को कम किया जा सके । इस अवसर पर प्रोफेसर राकेश अरावतिया इरमा, डॉ. करमचंद डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर कुरुक्षेत्र, डॉ. सूर्य खटकड़ डिप्टी डायरेक्टर एनिमल हसबेंडरी कैथल, विजय वेदपाल, नरेश रेड्डी और कुरुक्षेत्र जिले से आए पशुपालक व किसान उपस्थित थे।

रादौर में मिनी सचिवालय बनने से आम नागरिकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी विभिन्न सरकारी सेवाएं : कृषि मंत्री

सिटी दपण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने आज उपमंडल रादौर में लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मिनी सचिवालय भवन का विधिवत पूजा पाठ एवं नारियल तोड़कर आधारशिला रखते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मिनी सचिवालय के बनने से आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि यह भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा और इसमें विभिन्न विभागों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। हलके की जनता को प्रशासन से संबंधित अपने अधिकांश काम करवाने के लिए जिला के विभिन्न स्थानों पर जाने की

आवश्यकता नहीं पड़ेगी, ऐसा होने से पैसे व समय दोनों की बचत होगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि रादौर में बनने वाले मिनी सचिवालय में उपमंडल अधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय और न्यायालय, ई-दिशा केन्द्र, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, उपमंडल शिक्षा अधिकारी कार्यालय, ट्रेजरी कार्यालय, पोस्ट ऑफिस कार्यालय, सरकारी बैंक, डीएसपी कार्यालय, नगरपालिका कार्यालय, एसडीओ एग्रीकल्चर कार्यालय, चुनाव कार्यालय, पशुपालन कार्यालय, एक्साइज एंड टैक्सेशन कार्यालय, एआईपीआरओ कार्यालय, इंडस्ट्री कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण आदि कार्यालय होंगे। इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री श्री मंत्री श्याम सिंह राणा ने अनाज मंडी रादौर में मार्किट कमेटी के सौजन्य से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा खोली गई अटल किसान मजदूर कैंटीन का रिबन काटकर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस कैंटीन का संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की सोच है कि हर वर्ग के साथ-साथ किसान-मजदूर व जरूरतमंदों को किसी न किसी रूप में लाभ मिले। इसी कड़ी में मार्किट कमेटी के सहयोग से अनाज मंडी में आने वाले किसान, मजदूर व अन्य गरीब लोगों को बहुत कम पैसों में भोजन उपलब्ध करवाया जाएगा।

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा राजनीतिक एवं सामाजिक तौर पर मजबूत बनेगा : राजेश सिंगला

सिटी दपण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने बताया कि हालही में वृंदावन में हुए प्रांतीय अधिवेशन में देशभर के वैश्य नेताओं ने अग्रवाल समाज की राजनीतिक एवं संगठनात्मक एकता पर मंथन किया। इस मौके पर विशेष रूप से समाज के अशोक बुवानीवाला ने राजनीतिक रूप से मजबूत होने पर जोर दिया। सिंगला ने बताया कि इसी अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल ने अपने समाज के लोगों को कहा था कि जब नेतृत्व सही हाथों में नहीं होता, तब कोई भी समाज या संगठन केवल व्यक्तिगत महत्वकांक्षाओं एवं स्वार्थ सिद्धि का साधन बन जाता है।

अधिवेशन में बाबू बनारसी दास गुप्ता सहित पूर्व वैश्य नेताओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि ये वो दौर था जब इन नेताओं ने बिखरे हुए समाज को संगठित कर जब भी समाज के हितों पर कोई आंच आई तो सत्ता तक से टकराकर उन्हें झुकने पर विवश किया। इस मौके पर उन्होंने प्री-वेडिंग सूट और शादी के कार्ड के साथ मिठाई देने, समाज में देर से होने वाली शादियों जैसी कुरीतियों से भी एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने कहा कि आज इस आयोजन में सम्मलित होकर देख पाया हूं कि ये संगठन एक मिसाल के तौर पर काम कर रहा है। चाहें समाज सेवा की बात की जाए या फिर राजनीति की न सिर्फ पदाधिकारी बल्कि आम सदस्य भी एक परिवार के रूप में मिलकर काम कर रहें है। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज हमेशा से देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार और सामाजिक सेवा का मजबूत स्तंभ रहा है। इस अवसर पर प्रदेश संगठन सचिव मुनीष मित्तल, हरि ओम अग्रवाल, बीबी जिन्दल, रेखा गर्ग, लाल चन्द गर्ग, अमन बंसल, विपिन गर्ग, मुकेश कुमार, लिज्जा राम जिंदल, विकास मित्तल बंटी, संजीव गर्ग इत्यादि भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

मां की पूर्ति असंभवः नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि मां ऐसा शब्द है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती। मां एक मां नहीं बल्कि पूरी दुनिया होती है जो बिन मांगे सब कुछ देती है। मां प्रेम कौर कल्याण का जीवन प्रेम , त्याग और तपस्या से भरा रहा है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चल कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री रविवार को मधुबन के नजदीक कल्याण फार्म पर आयोजित स्व. प्रेम कौर कल्याण के स्नेहपूर्ण स्मृति एवं श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्व. प्रेम कौर कल्याण के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परिवार को उच्च संस्कार दिए। हर मां का सपना होता है कि उसका बेटा नई ऊंचाइयों को छुए। हरविन्द्र कल्याण ने मां के संस्कारों को आगे बढ़ाया है। मां की तपस्या के कारण पूरे परिवार ने प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने और परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

कैबिनेट मंत्री ने अपने निवास स्थान पर सुनीं जन समस्याएं

सिटी दपण संवाददाता

चंडीगढ़

- जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताः कृष्ण कुमार बेदी

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज नरवाना स्थित अपने निवास स्थान पर आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देश दिए।

इस दौरान अनेक क्षेत्रवासी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर मंत्री से मिलने पहुंचे। मंत्री ने कहा कि जनसेवा ही सच्ची सेवा है और जनता की समस्याओं का उचित समाधान सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को सुशासन देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे भी जनमानस की समस्याओं का निवारण करना अपना कर्तव्य समझें और इसे गंभीरता से निभाएं।

इसमें लापरवाही या टालमटोल की प्रवृत्ति ना अपनाएं। मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कटिबद्ध है। विशेष रूप से कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्गों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है और इसे सरकार द्वारा बखूबी निभाया जा रहा है।

उन्होंने जनसाधारण का भी आह्वान किया कि वे भी अपने स्तर पर सरकारी योजनाओं की जानकारी रखें और उनका अधिकाधिक लाभ उठाएं। इसके बाद कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने स्थानीय पैलेस में लगाएं गए रक्तदान शिविर का भी उद्घाटन किया और रक्तदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्तदान से बढ़कर दूसरा कोई महादान नहीं है।

गुरुकुल शिक्षा उत्सव का अंतिम दिन : 5वीं और छठी कक्षा हेतु हुई प्रवेश परीक्षा

सिटी दपण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

- खेलों में भी शानदार प्रदर्शन करते है गुरुकुल के छात्र- ब्रिगेडियर प्रवीण कुमार
- डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने कहा शिक्षा के साथ संस्कार का एकमात्र विकल्प है गुरुकुल

गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्यश्री देवव्रत जी के ओजस्वी मार्गदर्शन में चल रहे गुरुकुल गुरुकुल, गुरुकुल नीलोखेड़ी, आर्यकुलम् नीलोखेड़ी और गुरुकुल ज्योतिसर में सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश के लिए आयोजित गुरुकुल शिक्षा उत्सव के अंतिम दिन कक्षा 5वीं और छठी के लिए हजारों छात्रों ने परीक्षा दी। इस दौरान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने अभिभावकों को सचेत करते हुए कहा कि उक्त चारों गुरुकुलों के अलावा गुरुकुल शब्द लिखे किसी अन्य संस्थान से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, अतः अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर स्वयं जागरूक व सचेत रहें। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री के मार्गदर्शन में चल रहे उक्त गुरुकुलों की बढ़ती लोकप्रियता और यहां के छात्रों की उपलब्धियों को देखकर कई बंद हो चुके शिक्षण संस्थानों ने अपने संस्थानों के नाम के आगे गुरुकुल शब्द

जोड़ लिया जिससे अभिभावकों को यह भ्रम होता है कि ये तथाकथित गुरुकुल भी माननीय आचार्यश्री के द्वारा ही संचालित हो रहे हैं, जबकि यह कोरा झूठ है।

डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने बच्चे के लिए सही शिक्षण संस्थान का चुनाव और बेहतर केरियर आज हर अभिभावक के लिए एक चुनौती बन गया है। अत्यधिक दुलार और बच्चों की जिद के आगे अभिभावक नतमस्तक हैं जिस कारण उनका खानपान, दिनचर्या और व्यवहार पर गलत असर पड़ रहा है। गुरुकुलों में बच्चों की शारीरिक, मानसिक और वैचारिक उन्नति पर कार्य किया जाता है। उन्हें पोषणयुक्त प्राकृतिक आहार, शुद्ध दूध दिया जाता है ताकि वे शारीरिक रूप से मजबूत बनें। दैनिक दिनचर्या ऐसी होती है कि बच्चा पढ़ाई, खेल और योगासन, व्यायाम को पूरा समय दें और थकन से चूर होकर रात को बिस्तर पर जाए। आधुनिक शिक्षा के साथ उन्हें पुरातन वैदिक संस्कारों से जोड़ा जाता है ताकि वे बुढ़ापे में अपने माता-पिता का सहारा बनें और समाज में एक मिसाल कायम करें।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने गुरुकुल शिक्षा पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे सभी गुरुकुल आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। हजारों सीसीटीवी कैमरों की नजर बच्चे की एक-एक गतिविधि पर होती है। फुटबाल, वॉलीवाल, नेटबाल, चैस, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, मल्लखम्भ, योगासन, शूटिंग, हॉर्स राइडिंग सहित अन्य सभी स्पोर्ट्स का प्रशिक्षण गुरुकुल में उपलब्ध है और यहां के छात्र जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिवर्ष अनेकों पुरस्कार हासिल करते हैं। विद्यालय की बात करें तो सभी कक्षाओं में स्मॉर्ट बॉर्ड, अत्याधुनिक कम्प्यूटर व अन्य लैब, अटल टिंकरिंग लैब छात्रों को नवाचार और तकनीकी शिक्षा हेतु उपलब्ध हैं। बच्चा किस क्षेत्र में अपना केरियर बनाना चाहता है, उसके लिए विश्व स्तरीय केरियर काउंसलिंग, क्रिटिकल थिंकिंग प्रोग्राम के साथ-साथ एनडीए, नीट, आईआईटी, एनआईटी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशेष मार्गदर्शन की पूरी व्यवस्था गुरुकुल कैम्पस में उपलब्ध है। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि जिन छात्रों का प्रवेश गुरुकुलों में हुआ है, उनके उज्जवल भविष्य की पूरी जिम्मेदारी गुरुकुल प्रबंधन की है जिसके लिए आचार्यश्री के मार्गदर्शन में उनकी पूरी टीम निष्ठा और ईमानदारी से लगी हुई है।

इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले में 200 लोग मारे गए

आईआरजीसी ने इस नई लहर को इमाम अली सैन्य अभियान नाम दिया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार तड़के अमेरिका और इजराइल के खिलाफ 'ट्रू प्रॉमिस-4' सैन्य अभियान की 73वीं लहर शुरू की। आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, इजराइल के अंदरूनी हिस्सों और इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों की इस नई लहर में 200 से ज्यादा लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी ने इस नई लहर को इमाम अली सैन्य अभियान नाम दिया है। आईआरजीसी ने बताया कि इजराइल के कब्जे वाले दक्षिणी फिलस्तीनी इलाकों में अराद, डिमोना, एलात, बीर शेवा और किर्यातगत में मौजूद सैन्य ठिकानों और सुरक्षा केंद्रों को ईरान की फतह, कुद्र और इमाद मिसाइलों और विनाशकारी ड्रोनों से सटीक हमला किया गया।

इसके अलावा इस क्षेत्र में अमेरिकी सेना के अली अल-सलेम, अल-मिन्हाद और अल-धफ्रा स्थित वायुसेना के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सशस्त्र बलों के इस आक्रामक अभियान के शुरूआती घंटों में ही 200 से ज्यादा लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए।

हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में दागीं मिसाइलें, दो कारों में लगी आग, एक व्यक्ति की मौत

तेल अवीव। ईरान समर्थक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने रविवार सुबह उत्तरी इजराइल में एंटी-टैंक मिसाइलों से हमला किया। इस दौरान दो कारों में आग लग गई। इनमें से एक मिसाइल के सीधे हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इजराइल की स्वास्थ्य सेवा मैगन डेविड एडोम का कहना है कि हमले में घायल लोगों की तलाश की जा रही है। द यरुशलम पोस्ट और द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबारों की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के हमले के साथ 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के चौथे हफ्ते की शुरूआत के साथ ही रविवार सुबह ईरान ने मध्य इजराइल पर एक क्लस्टर बम भी दागा। ईरान की मिसाइलों को इजराइल की रक्षा प्रणाली रोकने में विफल रही। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि शनिवार को दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद में ईरानी हमलों में लगभग 200 लोग घायल हो गए, जिनमें से 11 की हालत गंभीर है। ये हमले तब हुए जब इजराइल की हवाई सुरक्षा प्रणाली कम से कम दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में नाकाम रही। इन हमलों के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने कहा कि इजराइल के ईरान के खिलाफ हमले जारी रहेंगे।

अमेरिका की धमकी, 48 घंटे में होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खुला तो ईरान के सारे पावर प्लांट तबाह कर दिए जाएंगे

वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध का कोई अंत होता नहीं दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खुला तो ईरान के सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्र (पावर प्लांट) पूरी तरह तबाह कर दिए जाएंगे। सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार रात अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ₹अगर ईरान इस समय से 48 घंटों के भीतर बिना किसी ना नुकुर के होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से नहीं खोलता तो संयुक्त राज्य अमेरिका उसके विभिन्न परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला करके उन्हें पूरी तरह तबाह कर देगा। इसकी शुरूआत ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट से की जाएगी।₹ ईरान का सबसे बड़ा पावर प्लांट 'बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र' है। यह दक्षिण-पश्चिमी ईरान में फारस की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह ईरान का एकमात्र व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। तीन सप्ताह पहले युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान की सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों की आवाजाही के लिए लगभग पूरी तरह से बंद कर रखा है। इस अहम जलमार्ग से दुनिया भर के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आवाजाही होती है। इसके बंद होने से गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। ट्रंप की यह धमकी तब आई है जब शुक्रवार को ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने घोषणा की कि वह समुद्र में ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंध हटा रहा है, ताकि कीमतों को कम किया जा सके।

इजराइल ने की तेहरान पर मिसाइलों की बौछार

तेहरान/दोहा। इजराइल ने ईरान के हमले के बाद आज सुबह तेहरान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। ईरान के दक्षिणी इजराइल के दो कस्बों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद इजराइल की सेना ने तेहरान पर नए हमले शुरू किए हैं। उधर, कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) बताया कि उसने तेहरान में मौजूद ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमलों की एक नई लहर अभी-अभी शुरू की है। उधर, कतर के अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण कतर का सैन्य हेलीकॉप्टर समुद्र में क्रैश हो गया। अधिकारियों ने माना कि यह हादसा फारसी की खाड़ी में हुआ है। कतर के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि एक नियमित उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण वह कतर के तट के पास क्रैश हो गया। मौके पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि क्रैश के समय हेलीकॉप्टर में कितने लोग सवार थे। उधर, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है। सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट) पर अगर हमला करता है तो वह मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगी। ईरान की सेना का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी के जवाब में आया है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को 48 घंटे के अंदर नहीं खोला गया तो वह ईरान के पावर प्लांट को पूरी तरह तबाह कर देंगे।

ईरानी सेना की अमेरिका को चुनौती, अगर पावर प्लांट पर हमला हुआ तो मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे निशाने पर होंगे

तेहरान। ईरान की सेना ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है। सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट) पर अगर हमला करता है तो वह मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगी। ईरान की सेना का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी के जवाब में आया है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को 48 घंटे के अंदर नहीं खोला गया तो वह ईरान के पावर प्लांट को पूरी तरह तबाह कर देंगे। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद ईरान की सेना ने कहा, ₹हमारी पिछली चेतावनी के बाद अगर दुश्मन (अमेरिका) ने ईरान के ईंधन और ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया, तो मध्य पूर्व में अमेरिका और उसकी समर्थक सरकारों से जुड़े सभी ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा।₹ इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल सैयद माजिद मूसावी ने कहा कि इजराइल के आसमान पर ईरानी मिसाइलों का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को नतान्ज में अपनी परमाणु सुविधा पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बारे में सूचित कर दिया है। आईआरजीसी की नौसेना के कमांडर, रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसिरी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमला हुआ, तो फारस की खाड़ी में मौजूद ईरानी द्वीप अमेरिकी सैनिकों के लिए कब्रिस्तान बन जाएंगे। तंगसिरी ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के अल-मिन्हाद एयर बेस और कुवैत के अली अल-सलेम एयर बेस पर मौजूद ठिकानों को तबाह किया जा चुका है।

पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा निर्माण में भ्रष्टाचार, 21 सरकारी कर्मियों पर मुकदमा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के पूर्व सचिव सहित 21 सरकारी अधिकारियों के खिलाफ विशेष अदालत में मामला दायर किया है।

ब्यूरो की तरफ से रविवार को बयान जारी कर बताया गया है कि नेपाल सरकार के नागरिक उड्डयन सचिव केदार बहादुर अधिकारी सहित 21 व्यक्तियों और 2 कंपनियों को प्रतिवादी बनाकर मामला दर्ज किया गया है। आरोपितों में नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के तत्कालीन महानिदेशक संजीव गौतम, राजन पोखरेल और प्रदीप अधिकारी शामिल हैं।

ब्यूरो के बयान के मुताबिक इन आरोपितों से 46 करोड़ 15 लाख 84 हजार रुपए क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए मामला दायर किया है। ब्यूरो का दावा है कि पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के निर्माण के दौरान परामर्श सेवा की खरीद में भ्रष्टाचार किया गया।

हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी, स्थानीय किसानों में खुशी

काठमांडू। मुस्तांग जिले में हुई बर्फबारी ने किसानों और पशुपालकों को बड़ी राहत दी है। लगातार बर्फबारी से कृषि और चराई की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। अपर मुस्तांग और मुक्तिनाथ क्षेत्र सहित कई इलाकों में शुक्रवार रात से ही शुरू हुई लगातार भारी बर्फबारी रविवार सुबह तक जारी है। घरपाज्होंग और थासांग के ऊंचे इलाकों में अधिक बर्फ गिरी, जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश हुई। अपर मुस्तांग, वारागुंग मुक्तिक्षेत्र, घरपाज्होंग और थासंग के चरागाह पूरी तरह बर्फ से ढंक गए हैं। मुक्तिक्षेत्र और अपर मुस्ताङ के कुछ हिस्सों की खेती योग्य जमीन भी पूरी तरह बर्फ से ढकी हुई है। घरपाज्होंग के थिनी गांव के ऊपर स्थित ऊंचे चरागाह, जो पशुपालन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, वे भी बर्फ से ढंक गए हैं। स्थानीय पशुपालक च्याङ बहादुर थकाली ने बताया कि भ्रुप्सा, यारुजो व्यू टावर, नामखुलेख और तिलिचो ट्रेकिंग मार्ग के मेसोकोंडो पास जैसे क्षेत्रों में भी बर्फ जमी हुई है। थकाली ने कहा कि इस वर्ष की बर्फबारी कई वर्षों की कमी के बाद राहत लेकर आई है, क्योंकि पहले ऊंचे चरागाहों में घास की कमी हो रही थी। उन्होंने बताया कि बिना तूफान होने वाली बर्फबारी घास के अच्छे उत्पादन में मदद करती है, जिससे पशुपालन को लाभ होता है।

कतर की सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 लोगों की मौत, तकनीकी खराबी के कारण हादसा

एजेंसी (हि.स.)
दोहा

फोटोः हि.स.

खाड़ी देश कतर के समुद्री क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा हुआ, जब नियमित ड्यूटी पर तैनात सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में एक लापता व्यक्ति की खोज के लिए अभियान जारी है। कतर न्यूज एजेंसी के अनुसार रविवार को कतर के समुद्री क्षेत्र में सेना का हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है।

कतर के गृह मंत्रालय के अनुसार, हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव और राहत कार्य शुरू किया गया। लापता व्यक्ति की तलाश के लिए समुद्री क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि यह दुर्घटना नियमित ड्यूटी के दौरान हुआ। मंत्रालय के अनुसार, उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण वह समुद्र में गिर गया।

घटना के बाद इमरजेंसी सेवाएं और संबंधित अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंच कर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और तकनीकी खराबी के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है। यह हादसा कतर की सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

यह दुर्घटना ऐसे समय में हुई है जब इस क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच कतर को ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों का भी सामना करना पड़ा है। कतर के 'रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी'- जो दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादन केंद्रों में से एक है, उसे कई मौकों पर निशाना बनाया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

आरएसपी का राजनीतिक आधार पर नियुक्ति पाने वालों से इस्तीफा देने का आग्रह

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने ताजा जनादेश में लगभग दो-तिहाई समर्थन के साथ नई सरकार गठन की प्रक्रिया से पहले पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा राजनीतिक आधार पर नियुक्त किए गए पदाधिकारियों से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। पार्टी का मानना है कि पिछली सरकारों ने योग्यता और क्षमता के बजाय पहुंच और राजनीतिक प्रभाव के आधार पर नियुक्तियां कीं। इसके कारण नागरिक स्तर पर व्यापक असंतोष देखा गया। इसलिए इस स्थिति का समाधान आवश्यक है। आरएसपी के महामंत्री कविन्द्र बुरलाकोटी ने कहा, पूर्ववर्ती सरकारों ने नियुक्तियों में योग्यता, क्षमता और विशेषज्ञता की बजाय पार्टी कार्यकर्ताओं और अपने निकट के लोगों को प्राथमिकता दी। इससे जनता में असंतोष है। यदि नई सरकार भी उन्हीं नियुक्तियों को जारी रखती है, तो यह पुरानी व्यवस्था को ही आगे बढ़ाने जैसा होगा, इसलिए हम चाहते हैं कि वे स्वयं रास्ता साफ करें। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार द्वारा की गई कुल राजनीतिक नियुक्तियों का आधिकारिक विवरण पार्टी ने नहीं मांगा है, लेकिन अनौपचारिक जानकारी के अनुसार ऐसे नियुक्तियों की संख्या लगभग 1,100 के आसपास हो सकती है। पार्टी का विश्वास है कि यदि ये पदाधिकारी स्वयं पद छोड़ देते हैं, तो नई सरकार को योग्य, सक्षम और विषय विशेषज्ञ व्यक्तियों का चयन करने में आसानी होगी।

तिनसुकिया में असम पुलिस कमांडो कैंप पर ग्रेनेड हमला, चार जवान घायल

तिनसुकिया (असम)। तिनसुकिया जिला अंतर्गत जागुन के दस माइल इलाके में स्थित असम पुलिस कमांडो के कैंप पर आज तड़के लगभग दो बजे हुए ग्रेनेड हमले में चार जवान घायल हो गए। कैंप पर पांच ग्रेनेड फेंके गए और उसके बाद भारी गोलीबारी हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम, इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की इसमें संभावित भूमिका होने का शक है। बताया गया है कि कमांडो ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अरुणाचल प्रदेश के पास स्थित इस तनावपूर्ण चाय बागान क्षेत्र जिले में 30 मिनट तक जोरदार मुठभेड़ चली। चार जवान घायल हो गए, तीन को मामूली चोटें आईं और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। सभी को पास के एक अस्पताल में तुरंत मेडिकल सहायता दी गई।घायल कमांडो में जोरहाट के चित्रंजन मिली, देवाशीष बोरा और चाबुआ के रवि गर एवं एक अन्य शामिल हैं। पूर्वोत्तर में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच, तिनसुकिया में इस तरह की घटनाओं का पुराना इतिहास रहा है। हमलावरों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने तलाशी अभियान, नाकेबंदी और हवाई निगरानी तेज कर दी है। असम विधानसभा चुनाव के बीच इस तरह की घटना से सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

मार्च में सेलर की भूमिका में बने रहे विदेशी निवेशक, तीन सप्ताह में बेचे 88,180 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। मार्च में अभी तक विदेशी निवेशक बिकवाली कर भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये यानी लगभग 9.60 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं। मार्च के तीसरे सप्ताह तक हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला कर साल 2026 में विदेशी निवेशक अभी तक घरेलू शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। इससे पहले फरवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी, जबकि जनवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस तरह विदेशी निवेशक जनवरी 2026 से लेकर मार्च 2025 की तीसरे सप्ताह के अंत यानी 20 मार्च 2025 तक भारतीय शेयर बाजार से कुल 1,01,527 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार के हर कारोबारी सत्र में बिकवाल की भूमिका निभाते रहे। राहत की बात यही रही कि विदेशी निवेशकों ने जहां लगातार बिकवाली का दबाव बनाया, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) बाजार को सहारा देने की कोशिश में लगातार खरीददारी करते रहे। मार्च में पहले तीन सप्ताह के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशक अभी तक शेयर बाजार में कुल 1,01,168.60 करोड़ रुपये की खरीदारी कर चुके हैं।

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.02 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल पांच कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि पांच कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से पांच के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में हिंदुस्तान यूनिलीवर दूसरे स्थान पर रहा। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल कंपनियों में शेष बची पांच कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 86 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि भारती एयरटेल मुनाफा कमाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में 1,02,771.87 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 86,210.97 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 16 मार्च से 20 मार्च के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 56,124.48 करोड़ रुपये गिर कर 12,01,267.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 18,009.62 करोड़ रुपये घट कर 4,89,631.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,338.42 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,16,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 7,127.63 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,64,940 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,171.72 करोड़ रुपये कम होकर 8,91,673.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

बांग्लादेश में ट्रेन और बस की टक्कर में 12 की मौत, 20 घायल

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश में ढाका-चटगांव मार्ग पर आज तड़के कोमिला के पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन और बस की टक्कर में 12 लोगों की जान चली गई । इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना के बाद ढाका-चटगांव मार्ग पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन निलंबित रहा। मृतकों में सात पुरुष, तीन महिला और दो बच्चे शामिल हैं। सूचना पाकर सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और रेड क्रिसेंट के सदस्य पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कोमिला सदर दक्षिण थाना अंतर्गत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर सैफुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना लगभग 3:00 बजे हुई। चटगांव जा रही मामून स्पेशल बस पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आ गई। बस ट्रेन के इंजन में फंस गई और ट्रेन के रुकने से पहले लगभग एक किलोमीटर तक घिसटती रही। बस को ट्रेन घसीटते हुए जंगाल्या-कचुआ इलाके तक ले गई।

यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर सबसे पहले स्थानीय लोग पहुंचे। बचावकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद और घायलों को बाहर निकालकर कोमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए, जबकि नौ अन्य लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, ढाका-चटगांव मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन तीन घंटे तक बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय क्रॉसिंग पर कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। पूर्वी जोन के महाप्रबंधक ने पुष्टि की कि बांग्लादेश रेलवे ने मंडल स्तर क्षेत्रीय स्तर पर दो जांच समितियां बनाई हैं। गेटमैन मेहदी हसन और हेलाल उद्दीन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

एफबीआई के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर का निधन, ट्रंप ने कसा तंज

वॉशिंगटन। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी और निजता बनाए रखने की अपील की। हालांकि, मृत्यु के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, गहरे दुख के साथ हम यह साझा कर रहे हैं कि बॉब का कल रात निधन हो गया। हम इस कठिन समय में निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं। मुलर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रतिक्रिया ने विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए तीखी टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। एफबीआई के पूर्व डायरेक्टर रॉबर्ट मुलर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 'एक्स' पोस्ट कर तंज कसते हुए लिखा, 'अच्छा हुआ, मुझे खुशी है कि वह मर गए. अब वह निर्दोष लोगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते।'

सूडान में अस्पताल पर हमला, 64 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
खार्तूम (सूडान)

फोटोः हि.स.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में एक प्रमुख अस्पताल पर हमले की पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने कहा कि इस बार सूडान के पूर्वी दारफुर की राजधानी अल डाइन में स्थित अल डाइन टीचिंग हॉस्पिटल पर हमला किया गया। हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 13 बच्चे, दो महिला नर्सें, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। घेब्रेयसस ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस घटना के परिणामस्वरूप सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हुए हमलों से जुड़ी मौतों की कुल संख्या अब 2000 के पार हो गई है। लगभग तीन साल से चल रहे इस संघर्ष के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं पर हुए 213 हमलों में 2036 लोग मारे गए हैं। इनमें शुक्रवार रात अल डाइन में हुआ हमला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस ताजा हमले में 89 लोग घायल हुए हैं। हमले में अस्पताल के पीडियाट्रिक, मैटरनिटी और इमरजेंसी विभागों को भी नुकसान पहुंचा है। कुल मिलाकर, इस युद्ध के दौरान अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हुए हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। इस हमले से हुए भारी नुकसान के कारण अल डाइन टीचिंग हॉस्पिटल इस समय काम नहीं कर रहा है।इसके चलते जरूरी चिकित्सा सेवाओं में गंभीर रुकावट आ गई है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 100 से ज्यादा रॉकेट दागे, गोलीबारी में सैकड़ों लोग विस्थापित

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काबुल

पाकिस्तान ने पिछले तीन दिनों में अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में 100 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। इससे आम नागरिकों के घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दिनों में पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों को निशाना बनाकर संघर्ष विराम (सीज फायर) का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान सेना की गोलीबारी से आजिज सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं।

कुनार प्रांत अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर में है। यह पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। यह क्षेत्र हिंदू कुश पर्वत श्रृंखलाओं और कुनार नदी घाटी के लिए जाना जाता है। अपनी दुर्गम पहाड़ी भौगोलिक स्थिति के कारण सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कुनार के उत्तर में नूरिस्तान प्रांत, पश्चिम में लघमान और दक्षिण में नंगरहार प्रांत हैं। तुलूअ न्यूज (टोलो न्यूज) की रिपोर्ट के अनुसार, कुनार सूचना और संस्कृति विभाग के सूचना प्रमुख जिया-उर-रहमान स्पिन घर ने कहा, " संघर्ष विराम के दौरान पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों में काल्पनिक डूरंड रेखा के पास के इलाकों में 100 से अधिक रॉकेट हमले किए। इससे कई निवासियों को आर्थिक नुकसान हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।"

नूरिस्तान के गवर्नर के प्रवक्ता फरीदौन समीम ने कहा, "पहले प्रतिदिन दर्जनों वाहन इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे और एम्बुलेंस भी यहां से गुजरती थीं।

मौसम

शून्य से नीचे तापमान में मुस्तैद जवान

भारी बर्फबारी के बीच केदारनाथ धाम में सुरक्षा कड़ी

एजेंसी (हि.स.)
रुद्रप्रयाग

फोटोः हि.स.

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में हालिया भारी बर्फबारी के बाद पूरी केदार घाटी बर्फ की मोटी चादर से ढक गई है, जिससे धाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी हो गया है। शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उत्तराखंड पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार तैनात हैं।

सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी नियमित गश्त कर रही हैं और धाम परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान उच्च सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके साथ ही जवान अपने बैरकों और आसपास जमी बर्फ को स्वयं साफ कर कार्यप्रणाली को सुचारू बनाए हुए हैं, जिससे कठिन मौसम के बीच भी संचालन प्रभावित न हो।

केदारनाथ धाम में तैनात यह संयुक्त सुरक्षा बल न केवल कानून व्यवस्था, बल्कि मौसम के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए भी हर समय तैयार है। जवानों का उच्च मनोबल 'मित्रता, सेवा और सुरक्षा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। भारी बर्फबारी के इस दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा बल हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में हैं और धाम क्षेत्र में गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने चौथे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया

सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त, सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा।

वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था। डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को एक-एक सफलता मिली।

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज 6 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर ने पारी को आगे बढ़ाया। जॉर्जिया ने जहां 22 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 29 रन बनाए, वहीं कप्तान केर ने 29 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद अनुभवी सोफी डिवाइन ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 34 गेंदों पर चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 09 रन बनाकर नाबाद रहीं। डिवाइन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्लो ट्रायोन ने दो विकेट लिए, जबकि डर्कसेन और एन म्लाबा को एक-एक विकेट मिला।

अंडर-20 महिला एशियन कप: कोच ने कहा, भारतीय टीम को हर चुनौती के लिए रहना होगा तैयार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियन कप 2026 से पहले भारतीय अंडर 20 फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जोआकिम अलेक्जेंडरसन ने खिलाड़ियों को समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ खेलने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि टीम को हर चुनौती के लिए तैयार रहना होगा और अगर खिलाड़ी डिफेंस में मजबूत रहते हुए आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करें, तो हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी संभावना है।

भारतीय टीम ग्रुप सी में दो अप्रैल को जापान, पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे से भिड़ेगी। समूह की शीर्ष दो टीमें और तीनों समूहों में से सर्वश्रेष्ठ दो तीसरे स्थान वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा, क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारतीय टीम अपने पहले मैच से करीब 13 दिन पहले बैंकॉक पहुंच गई है, जिससे उन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढलने का पर्याप्त समय मिला है। हालांकि, ये परिस्थितियां कोलकाता से बहुत अलग नहीं हैं, जहां टीम ने स्वीडन से लौटने के बाद प्रशिक्षण किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार भारत की तैयारी विभिन्न स्थानों पर हुई। पिछले वर्ष महाबलीपुरम (तमिलनाडु) में उज्बेकिस्तान और शिमकेंट में कजाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैचों ने टीम की सामरिक समझ को मजबूत किया। कोच अलेक्जेंडरसन ने कहा कि उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैच हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण थे। हमें चेन्नई में बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएं मिलीं और हमने उच्च तीव्रता वाले मैच खेले। कजाकिस्तान की टीम शारीरिक रूप से मजबूत थी और उनके कुछ खिलाड़ी सीनियर स्तर का अनुभव रखते थे।' भारत की तैयारी का सबसे अहम हिस्सा स्वीडन में एक महीने का प्रशिक्षण शिविर रहा, जिसने टीम को नई चुनौतियों के सामने खड़ा किया। कोच ने कहा कि फुटबॉल के नजरिए से यह शिविर बेहद उपयोगी था। हमें उत्कृष्ट सुविधाएं और मजबूत प्रशिक्षण सत्र मिले।

जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप में होने के बावजूद भारतीय टीम चुनौती के लिए तैयार है। कोच अलेक्जेंडरसन ने कहा कि यह एक कठिन समूह है। जापान इस स्तर पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है और ऑस्ट्रेलिया भी बेहद मजबूत है। हमें उनका सम्मान करना है लेकिन डरना नहीं है। हम आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं खिलाड़ियों से पूर्ण समर्पण की उम्मीद करता हूं। हमें हर चुनौती के लिए तैयार रहना होगा, डिफेंस में अनुशासित रहना होगा और आत्मविश्वास के साथ खेलना होगा। अगर हम ऐसा कर सके, तो हमारे पास हर मैच में अच्छा करने का मौका है।'

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को चौथे टी-20 में दी मात, सीरीज 2-2 से बराबर

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)

दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी करते हुए रविवार को चौथे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 19 रनों से हरा दिया और सीरीज में 2-2 की बराबरी कर ली है। सीरीज का आखिरी टी20 मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ने वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रनों पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरूआत की और पावरप्ले में 50 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि इस दौरान उसके दो विकेट भी गिरे। कैप्टन क्लार्क 9 रन और टिम रॉबिन्सन 32 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट नौवें ओवर में डेन क्लीवर के रूप में गिरा। उन्होंने 26 रन बनाए। इसके बाद बेवोन जैकब्स 3 रन और कप्तान जेम्स नीशम 6 रन बनाकर सस्ते में आउट हुए। 14वें ओवर में निक केली 19 रन और कोल मैककॉन्ची 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अंत में जैकरी फॉल्क्स 7, जोश क्लार्कसन 10 रन और काइल जैमीसन 13 रन बनाकर आउट हुए और पूरी टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने 19 रन से मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी ने 3, ओटनील बार्टमैन, प्रेनेलन सुब्रायन और केशव महाराज ने 2-2 तथा वियान मुल्डर ने एक विकेट लिया।

जिला स्तरीय चयन ट्रायल 23 से 30 मार्च तक

मुरादाबाद। आवासीय खेल छात्रावास में बालक व बालिकाओं के प्रवेश के लिए जनपद व मंडल स्तर पर चयन ट्रायल के लिए तिथि घोषित कर दी गई है। क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि जिला स्तरीय चयन ट्रायल 23 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक चलेंगे। जिम्नास्टिक एवं तैराकी खेलों में 12 वर्ष से कम आयु और अन्य खेलों में 15 वर्ष से कम आयु के बालक व बालिकाओं को शामिल होना है। क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि जिला स्तरीय चयन ट्रायल 23 मार्च से शुरू है। इसमें जिम्नास्टिक, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, वालीबॉल, फुटबाल, बैडमिंटन, टेबुल टेनिस के लिए बालक वर्ग का ट्रायल 23 मार्च को और बालिका वर्ग का ट्रायल 24 मार्च को है। वहीं क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबाल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो और हैंडबाल का बालक वर्ग का ट्रायल 25 मार्च को किया जाएगा। कबड्डी, बास्केटबाल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, हैंडबाल के बालिका वर्ग का ट्रायल 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। मंडलीय स्तरीय चयन ट्रायल 27 मार्च से शुरू है। इसमें जिम्नास्टिक, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, वालीबॉल, फुटबाल, बैडमिंटन, टेबुल टेनिस बालक वर्ग का ट्रायल 27 मार्च लिया जाएगा। इसके साथ जिम्नास्टिक, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, वालीबॉल, बैडमिंटन, टेबुल टेनिस के लिए बालिका वर्ग का ट्रायल 28 मार्च को लिया जाएगा।

आयरलैंड दौरा स्थगित कर टीम इंडिया की मेजबानी की तैयारियों में जुटा बांग्लादेश

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सितंबर 2026 में होने वाले अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को फिलहाल स्थगित कर दिया है। बांग्लादेश इस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि सितंबर 2026 में प्रस्तावित बांग्लादेश का आयरलैंड दौरा टाल दिया गया है क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी की योजना बना रहे हैं।

क्रिकबज के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सूचित किया है कि वे 2026 के भीतर पुनर्निर्धारण की व्यवस्था करने में असमर्थ होंगे। यह सूचना बीसीबी द्वारा यह बताने के बाद दी गई कि वे सितंबर में यात्रा करने में असमर्थ होंगे क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं। दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि श्रृंखला को टाल दिया जाए क्योंकि दोनों पक्ष सितंबर की निर्धारित अवधि में इसे आयोजित करने में असमर्थ थे। भारतीय टीम को 2025 में बांग्लादेश का दौरा करना था लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता, सुरक्षा चिंताओं और तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया। अब इस साल यह दौरा होने की संभावना है।

हालांकि भारत का यह दौरा अभी अंतिम रूप से तय नहीं है। अगर भारत सरकार से मंजूरी मिली तो भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश पहुंच सकती है। बीसीबी के अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि जब भारत के साथ होने वाली श्रृंखला को पिछले साल से इस सितंबर में स्थानांतरित किया गया तो हमने उनसे (क्रिकेट आयरलैंड से) पूछा कि क्या वे हमें 2026 में किसी अन्य समय पर समायोजित कर सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि वे ऐसा करने में असमर्थ हैं। इसलिए दौरे को टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ अन्य समस्याएं भी थीं इसलिए हमने आयरलैंड दौरे के लिए एक नई समयावधि खोजने के लिए मिलकर काम करने का फैसला किया। उम्मीद है कि अगले साल (2027) किसी समय यह हो। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से वनडे सीरीज जीती है। फिलहाल बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) की वनडे टीम रैंकिंग में नौवें स्थान पर है। उसके 79 रेटिंग अंक हैं। 31 मार्च 2027 तक रैंकिंग में मौजूद टॉप आठ टीमों को वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने का मौका मिलेगा, जबकि बाकी टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। ऐसे में उसके लिए हर सीरीज महत्वपूर्ण होने वाली है।

लंदन जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन की मांग वाली खबर पर विराट ने दिया मजेदार जवाब

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरूआत से पहले सामने आई उस खबर पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से कुछ खास सुविधाओं की मांग की है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की और इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि कोहली ने सीजन के बीच लंदन (यूके) जाने के लिए फ्रेंचाइजी से चार्टर्ड प्लेन की मांग की है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि कोहली ने फ्रेंचाइजी से कहा है कि अगर मैचों के बीच तीन दिन का गैप हुआ तो वह लंदन जाएंगे और मैच से पहले वापस आ जाएंगे। इन खबरों पर कोहली ने खुद जवाब दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस रिपोर्ट को शेयर करते हुए हंसने वाला दो इमोजी लगाया, जिससे साफ हो गया कि वह इन दावों को गंभीरता से नहीं लेते। उनकी यह प्रतिक्रिया तेजी से वायरल हो गई और फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई। आईपीएल 2026 के लिए कोहली आरसीबी टीम से जुड़ चुके हैं और तैयारी में लगे हुए हैं। टीम अपना पहला मुकाबला 28 मार्च को बेंगलुरु में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। आरसीबी ने पिछले सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। कोहली ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम खिताब बचाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी और कोहली की भूमिका एक बार फिर बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दर्पण विशेष

'आजादी की वेदी पर हंसते-हंसते कुर्बान हुए भारत माता के लाल'

95वां शहीद दिवस समारोहः शहीद दिवस - भारतीय स्वाधीनता संग्राम का वह स्वर्णिम अध्याय जिसने इतिहास की धारा बदल दी। 23 मार्च का दिन भारतीय कैलेंडर में मात्र एक तारीख नहीं है, बल्कि यह उस अदम्य साहस, निस्वार्थ देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। सन 1931 में इसी दिन लाहौर सेंट्रल जेल के भीतर तीन नौजवानों—भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु—ने हँसते-हँसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनकी शहादत ने न केवल सोए हुए भारत को जगाया, बल्कि आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। आजादी की लड़ाई में दो धाराएं थीं, और ये तीनों उस 'गरम दल' के योद्धा थे जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ा दी थी। भगत सिंह का मानना था कि 'इंसान को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। साम्राज्य ढह जाते हैं, पर विचार अमर रहते हैं।' इसी दर्शन के साथ 8 अप्रैल 1929 को उन्होंने बटुकेश्वर दत्त के साथ असेंबली में बम फेंका- किसी की जान लेने के लिए नहीं, बल्कि सोई हुई हुकूमत को जगाने के लिए।

लाहौर षड्यंत्र और क्रांति की ज्वाला

इन तीनों क्रांतिकारियों की शहादत का सीधा संबंध 'लाहौर षड्यंत्र केस' से था। इस केस की शुरूआत दो प्रमुख घटनाओं से हुई थी। 30 अक्तूबर 1928 को जब 'साइमन कमीशन' लाहौर पहुँचा, तो लाला लाजपत राय के नेतृत्व में एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। 'साइमन गो बैक' के नारों से आसमान गूँज उठा। इस प्रदर्शन को कुचलने के लिए अंग्रेज पुलिस अधीक्षक जेम्स ए. स्कॉट ने लाठीचार्ज का आदेश दिया। लाला जी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और 17 नवंबर 1928 को उनका निधन हो गया। जाने से पहले उन्होंने कहा था, 'मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी।' हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने इस अपमान का बदला लेने की कसम खाई। 17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने स्कॉट की जगह सहायक पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स को निशाना बनाया और उसे ढेर कर दिया। सेंट्रल असेंबली में बम धमाका (8 अप्रैल 1929)। ब्रिटिश सरकार जनता की आवाज दबाने के लिए 'पब्लिक सेफ्टी बिल' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' जैसे दमनकारी कानून ला रही थी। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में खाली बेंचों पर बम फेंके। उनका उद्देश्य किसी की जान लेना नहीं, बल्कि 'बहरों को सुनाना' था। धमाके के बाद उन्होंने भागने के बजाय अपनी गिरफ्तारी दी ताकि वे अदालत को अपनी विचारधारा के प्रचार का मंच बना सकें।

जेल के दिन और वैचारिक युद्ध

गिरफ्तारी के बाद भगत सिंह और उनके साथियों को लाहौर जेल में रखा गया। यहाँ उन्होंने एक नया युद्ध शुरू किया—वैचारिक युद्ध। जेल में भारतीय कैदियों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार के खिलाफ भगत सिंह और जतिन दास ने लंबी भूख हड़ताल की। जतिन दास ने 63 दिनों की हड़ताल के बाद प्राण त्याग दिए, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। जेल की काल कोठरी में भगत सिंह ने निरंतर पढ़ाई की और लिखा। उन्होंने 'मैं नास्तिक क्यों' जैसे लेख लिखे, जो आज भी तर्कवाद और समाजवाद के महान दस्तावेज माने जाते हैं। उनके लिए आजादी का मतलब केवल गोरे साहबों का जाना नहीं था, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण था जहाँ 'इंसान द्वारा इंसान का शोषण' समाप्त हो सके।

23 मार्च 1931: वह काली शाम और अमर शहादत

अदालत ने इन तीनों को फांसी की सजा सुनाई। फांसी की तारीख 24 मार्च 1931 सुबह के लिए तय की गई थी। लेकिन अंग्रेज सरकार इतनी भयभीत थी कि उसे लगा कि यदि सुबह फांसी दी गई, तो जेल के बाहर उमड़ा जनसैलाब विद्रोह कर देगा। समय से पूर्व फांसीः नियमों को ताक पर रखकर, 23 मार्च की शाम 7:33 बजे ही उन्हें फांसी के तख्ते पर ले जाया गया। वीरता का परिचयः जब जेलर ने उनसे अंतिम इच्छा पूछी, तो भगत सिंह लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे। उन्होंने कहा, रुको, एक क्रांतिकारी दूसरे क्रांतिकारी से मिल रहा है। फांसी के फंदे की ओर बढ़ते हुए तीनों महान सपूत 'इंकलाब जिंदाबाद' और मेरा रंग दे बसंती चोला गा रहे थे। शवों के साथ क्रूरताः फांसी के बाद जेल अधिकारियों ने चोरी-छिपे शवों को जेल की पिछली दीवार तोड़कर बाहर निकाला। कसूर के पास सतलुज नदी के किनारे मिट्टी का तेल डालकर उन्हें जलाने की कोशिश की गई। जब गांव वालों को पता चला, तो अंग्रेज अधजले शवों को छोड़कर भाग गए। बाद में लोगों ने पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया।

भगत सिंह का वैचारिक दर्शनः केवल बंदूक ही नहीं, विचार भी

भगत सिंह केवल एक सशस्त्र विद्रोही नहीं थे, वे एक उच्च कोटि के बुद्धिजीवी थे। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। वे चाहते थे कि आजादी के बाद सत्ता केवल गोरे अंग्रेजों के हाथ से निकलकर काले अंग्रेजों (अमीर भारतीयों) के हाथ में न जाए, बल्कि किसानों और मजदूरों का राज हो। उन्होंने 'मैं नास्तिक क्यों हूँ' लिखकर यह स्पष्ट किया कि राष्ट्रवाद किसी धर्म का मोहताज नहीं होता। उनका मानना था कि युवा ही समाज की रीढ़ हैं और उन्हें अध्ययन के साथ-साथ राजनीति में भी सक्रिय होना चाहिए।

शहीद दिवस का महत्व और आज का समय

आज 2026 में, जब हम आजादी का अमृत काल मना रहे हैं, 23 मार्च का दिन हमें अपनी जड़ों की याद दिलाता है। आज यह स्थल एक पवित्र तीर्थ बन चुका है। यहाँ की मिट्टी में उन तीनों वीरों की राख मिली हुई है। यह दिन हमें सिखाता है कि राष्ट्र के लिए समर्पण का कोई विकल्प नहीं है।

क्रांति के तीन स्तंभ

भगत सिंह- भगत सिंह सिर्फ एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि एक प्रखर विद्वान थे। जेल की सलाखों के पीछे भी उनका अध्ययन नहीं रुका; कहते हैं फांसी के बुलावे तक वे लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे। उर्दू, अंग्रेजी, हिंदी और पंजाबी जैसी कई भाषाओं के जानकार भगत सिंह ने 'अकाली' और 'प्रताप' जैसे अखबारों के माध्यम से जनमानस में आजादी की अलख जगाई। सांडर्स हत्याकांड के बाद उन पर देशद्रोह का मुकदमा चला, जिसे दुनिया 'लाहौर षड्यंत्र' के नाम से जानती है।

सुखदेव- लायलपुर (अब पाकिस्तान) की मिट्टी में जन्मे सुखदेव, भगत सिंह के बचपन के यार और वैचारिक साथी थे। लाहौर नेशनल कॉलेज के दिनों से ही दोनों का लक्ष्य एक था। सांडर्स कांड की पूरी रूपरेखा और क्रांतिकारी गतिविधियों के संचालन में सुखदेव का दिमाग सबसे तेज चलता था। मित्रता ऐसी कि मौत के फंदे तक साथ नहीं छोड़ा।

राजगुरु- महाराष्ट्र के पुणे से आए शिवराम हरि राजगुरु, छत्रपति शिवाजी महाराज की छापामार युद्ध शैली के कायल थे। लाला लाजपत राय पर हुए लाठीचार्ज का बदला लेने के लिए राजगुरु ने ही 19 दिसंबर 1928 को सांडर्स पर सटीक निशाना साधा था। लोकमान्य तिलक के विचारों से ओत-प्रोत राजगुरु ने निडर होकर गिरफ्तारी दी और शहादत पाई।

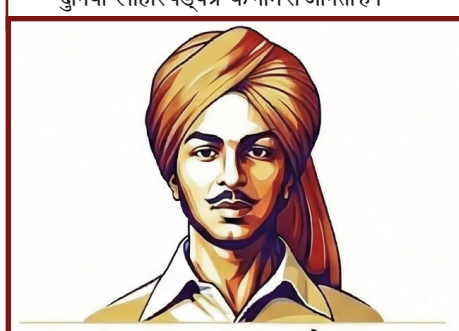
भगत सिंह: प्रखर विद्वान और विचारक

सुखदेव: रणनीति के 'चाणक्य'

राजगुरु: शिवाजी की विरासत के रक्षक

संस्कृति की सरगम पर सजा बिहार दिवस विरासत और विकास की दिखी झलक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बिहार फाउंडेशन द्वारा रविवार को बाबा मक्खन शाह लुबाना हॉल में बिहार दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ किया गया। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और आधुनिक उपलब्धियों का एक सजीव और प्रभावशाली उत्सव बनकर सामने आया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि आईजीपी चंडीगढ़ पुष्पेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष ऊंचाई प्रदान की और उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। कार्यक्रम में चंडीगढ़ तथा आसपास के क्षेत्रों में निवास कर रहे बिहार मूल के लोग, विद्यार्थी, विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर, सामाजिक कार्यकर्ता तथा गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के बीच अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का भाव और बिहार के प्रति गर्व स्पष्ट रूप से झलकता रहा। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य प्रवासी बिहारियों को एक मंच पर लाना, आपसी सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करना तथा राज्य की पहचान और गौरव को और अधिक मजबूती प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर दिया। इसके पश्चात बिहार की समृद्ध लोक परंपराओं को दर्शाती रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ।

लोक संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और बिहार की सांस्कृतिक विविधता, लोकजीवन की सरलता तथा परंपराओं की गहराई को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बिहार के गौरवशाली अतीत, भारतीय सभ्यता में उसके अमूल्य योगदान तथा देश के विकास में उसकी निरंतर बढ़ती भूमिका को दर्शाने वाली एक विशेष वीडियो प्रस्तुति और वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किए गए। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावुक करने के साथ-साथ गर्व की अनुभूति से भी भर दिया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एच. राजेश प्रसाद ने कहा कि बिहार सिविल सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षा, कला और साहित्य सहित हर क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। बिहार फाउंडेशन, पंजाब एवं चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. रूपेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था लगातार प्रवासी बिहारियों को एकजुट करने और विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की सकारात्मक पहचान को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने सांस्कृतिक जड़ों को संजोए रखने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि अपनी परंपराओं और मूल्यों से जुड़े रहकर ही हम राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

साथ ही बिहार की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने, सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने और समाज में सामुदायिक सहभागिता को निरंतर सुदृढ़ करने का संकल्प दोहराया गया। पूरे आयोजन के दौरान बिहार की संस्कृति, परंपरा, इतिहास और उपलब्धियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। यह आयोजन न केवल बिहार दिवस का उत्सव था, बल्कि एकता, पहचान, गर्व और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रेरणादायक प्रतीक बनकर उभरा।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने पार्क विकसित कर रोपे 202 पौधे

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का तीसरा दिन रविवार को सेक्टर-1 स्थित गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के पार्क में उत्साह, ऊर्जा और प्रेरणा के साथ मनाया गया। प्राचार्य डॉ. शैलजा छाबड़ा के संरक्षण और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में, एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वयं ही पार्क का निर्माण किया और कुल 202 पौधे लगाए। इनमें नीम, जामुन, शहतूत, मोरिंगा, गुड़हल, शीशम, आम और कनेर जैसे फूलदार और छायादार पौधे शामिल थे।

यह विशेष पौधरोपण कार्यक्रम एक पेड़, माँ के नाम अभियान के अंतर्गत किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी माताओं के नाम से कॉलेज में पौधे रोपे, साथ ही पौधों की देखभाल और रख-रखाव की भी जिम्मेदारी ली। पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह पहल केवल हरियाली बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें अपने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की याद दिलाती है। स्वयंसेवकों का यह समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है। दोपहर के सत्र में चंडीगढ़ स्थित लैंडमार्क ग्लोबल लर्निंग लिमिटेड के द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा और करियर के अवसर विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। करियर कंसल्टेंट हरदीप सिंह ने भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा, स्कॉलरशिप और वैश्विक नौकरी के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के विकल्पों, करियर पथों और आवश्यक योग्यता के बारे में सवाल पूछकर सक्रिय रूप से भाग लिया।कैंप के तीसरे दिन आयोजित इन कार्यक्रमों ने स्वयंसेवकों को न केवल पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा दी, बल्कि उनके करियर और भविष्य की योजनाओं के प्रति जागरूकता और मार्गदर्शन भी प्रदान किया। यह दिन उत्साह, ज्ञान और सामाजिक जिम्मेदारी का समन्वय बनकर यादगार रहा।

ग्लोबल करियर पर विशेष व्याख्यान का भी आयोजन

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन अब 28 मार्च को होगी रवाना

पंचकूला। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को निशुल्क तीर्थ स्थानो पर यात्रा करवाई जाती है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार द्वारा पात्र वृद्धजनों को अयोध्या स्थित राम मंदिर के दर्शन करवाने के लिए विशेष ट्रेन चलाई जा रही है।यह विशेष ट्रेन अब 28 मार्च को अंबाला से रवाना होगी।इस ट्रेन को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बाद दोपहर 04:00 बजे अंबाला रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पहली विशेष ट्रेन यात्रा में पंचकूला जिला को भी शामिल किया गया है। यह विशेष ट्रेन अब 28 मार्च को बाद दोपहर 4:00 बजे अंबाला रेलवे स्टेशन से रवाना होगी, जिसका मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया जाएगा। यात्रा करने वाले सभी लाभार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड, दो फोटो लेकर आना अनिवार्य है। लाभार्थियों को अपने निकटतम रेलवे स्टेशन पर स्वयं पहुंचना होगा। जिन लोगों का सरल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होगा उन्हें स्टेशन पर डीआईपीआरओ कार्यालय द्वारा आईडी कार्ड जारी किए जाएंगे, जिनके आधार पर ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी। डीआईपीआरओ कार्यालय द्वारा रेलवे अधिकारियों के समन्वय से हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पंचकूला में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता, घबराने की जरूरत नहीं: डीएफएससी

पंचकूला। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक श्री जतिन मित्तल ने बताया कि जिले में कार्यरत सभी 12 गैस एजेंसियों के पास घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ताओं को घबराने या अनावश्यक रूप से अतिरिक्त भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु गैस सिलेंडर बुकिंग के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं, जिनमें ऑनलाइन बुकिंग, मिस्ड कॉल सेवा, संदेश (रटर) प्रणाली तथा संबंधित गैस एजेंसी पर व्यक्तिगत रूप से जाकर बुकिंग करना शामिल है। श्री जतिन मित्तल ने कहा कि चूंकि बुकिंग से संबंधित मानकों में कुछ परिवर्तन किए गए हैं, इसलिए सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे सरकार द्वारा जारी दिशानिदेर्शों का पालन करें तथा एलपीजी का विवेकपूर्ण और आवश्यकतानुसार ही उपयोग करें। यदि किसी उपभोक्ता को किसी प्रकार की समस्या या शिकायत हो, तो वे खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन उपभोक्ताओं की सुविधाओं के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मनीमाजरा में मोबाइल स्नैचिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, फोन बरामद

चंडीगढ़। मनीमाजरा क्षेत्र में मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 21 मार्च को शाम करीब 5:18 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि श्मशान घाट के पास दो युवकों को लोगों ने पकड़ रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां मौजूद शिकायतकर्ता इशाक अहमद शेख ने बताया कि वह बस स्टैंड मनीमाजरा से सोलन जाने के लिए बस ले रहे थे, तभी दो युवक आए। एक ने उन्हें धक्का दिया और दूसरे ने उनके कुर्ते की जेब से मोबाइल फोन निकालकर भागने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों की मदद से दोनों युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उनकी पहचान शिवा (24 वर्षीय) इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा निवासी और काकू (21 वर्षीय) इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान काकू के पास से छीना गया मोबाइल फोन बरामद किया गया। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी काकू के खिलाफ पहले भी आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है, जबकि शिवा के खिलाफ कोई पूर्व मामला सामने नहीं आया है।

बिहार की सांस्कृतिक झलकियों से सजा पंजाब लोक भवन, एकता का संदेश गूंजा

चंडीगढ़। पंजाब लोक भवन में बिहार स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया अपनी धर्मपत्नी अनीता कटारिया के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल कटारिया ने बिहार की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को रेखांकित करते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं तथा उनके निरंतर प्रगति, एकता और समृद्धि की कामना की। एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में झिझिया, जट-जटिन और छठ पूजा जैसे पारंपरिक लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गईं। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रस्तुत इन कार्यक्रमों ने बिहार की लोक परंपराओं की जीवंत झलक पेश करते हुए दर्शकों को प्रभावित किया। इस दौरान बिहार के राज्यपाल का वीडियो संदेश तथा राज्य पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल कटारिया ने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा मिलता है और राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन राज्यों के बीच सहयोग, सद्भाव और आपसी सम्मान को बढ़ाते हैं। बिहार के इतिहास और संस्कृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस राज्य ने शिक्षा, दर्शन, शासन और सामाजिक चिंतन के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह बौद्ध, जैन, सिख और हिंदू जैसे प्रमुख धर्मों का संगम स्थल भी रहा है। उन्होंने तख्त श्री पटना साहिब का उल्लेख करते हुए कहा कि यह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है और बिहार व पंजाब के बीच साझा आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह साझा विरासत एकता में विविधता की भावना को सुदृढ़ करती है और बिहार के लोग अपनी प्रतिभा और परिश्रम से राष्ट्र निर्माण में निरंतर योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने नागरिकों से सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और एक मजबूत व विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सत्य पाल जैन, पंजाब के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, पंजाब के राज्यपाल के प्रधान सचिव विवेक प्रताप सिंह, चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद सहित चंडीगढ़, पंजाब और बिहार से आए अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।